उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्षः 10 || अंक:47 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 15 दिसंबर 2025

अंदर के पृष्ठ पर | 1 साल पहले खोया फोन बरामद कर बाबू पुरवा साइबर सेल टीम ने लौटाया 4 | 'कलिंका' में तांत्रिक की भूमिका में नज़र आएगी नवोदित अदाकारा पूनम.! 6

ऑस्ट्रेलिया: बोंडी बीच पर त्योहार मना रहे यहूदियों पर हमला, शूटर समेत 12 की मौत

» बीपीएस न्यूज

सडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में प्रसिद्ध बोंडी समुद्र तट पर त्योहार मना रहे यहूदियों पर दो बंदूकधारियों द्वारा की गई अंधाधुंध फायरिंग में कम से कम 11 लोगों की मौत हुई है। दो पुलिस अधिकारियों समेत 11 लोग घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने दो हमलावरों में से एक को मार गिराया है, जबकि दूसरा हमलावर पकड़ा गया है और गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। पुलिस ने एक हमलावर की पहचान की है। हमलावर की पहचान 24 वर्षीय नवीद अकरम के रूप में हुई जो सिडनी का रहने वाला है। पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा है।प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बनीज ने इस घटना को स्तब्धकारी और दुखद बताया है। ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी को आतंकवादी हमला घोषित किया गया है।

पुलिस ने एक हमलावर समेत 10 लोगों की मौत की पुष्टि की है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, यह गोलीबारी आठ दिवसीय यहूदी त्योहार हनुक्का की पहली रात को हुई।

बंदूकधारियों ने उस वक्त गोलीबारी शुरू कर दी, जब यहूदी त्योहार की शुरुआत के उपलक्ष्य में समुद्र तट पर आयोजित एक कार्यक्रम के लिए सैकड़ों लोग इकट्ठा हुए थे। एक चश्मदीद ने बताया कि हमलावरों ने बच्चों और बुजुर्गों को अंधाधुंध निशाना बनाया। एक अन्य चश्मदीद ने बताया कि उसने कम से कम 10 लोगों को जमीन पर पड़े देखा और हर जगह खून बिखरा हुआ था।

इस हमले से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इनमें से एक में समुद्र तट और पास में मौजूद लोग गोलियों की तड़तड़ाहट और पुलिस वाहनों के सायरन की आवाज सुनकर इधर-उधर भागते दिखाई दे रहे हैं। एक वीडियो में काले रंग की कमीज पहने एक व्यक्ति को बड़ी बंदूक चलाते हुए देखा जा सकता है, जिसके बाद सफेद टी-शर्ट पहने एक अन्य व्यक्ति ने उसे पकड़ लिया और उससे बंदूक छीन ली। एक अन्य व्यक्ति को पैदल यात्री पुल से बंदूक चलाते हुए देखा गया।

एक अन्य वीडियो में वर्दीधारी पुलिसकर्मी एक छोटे पैदल यात्री पुल पर दो पुरुषों को जमीन पर दबाते नजर आ रहे हैं। पुलिसकर्मी इनमें से एक को होश में लाने की कोशिश कर रहे हैं.

इस्राइली राष्ट्रपति ने आतंकी हमला बताया

इस्राइली राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने कहा कि हनुक्का पर्व की पहली मोमबत्ती जलाने के लिए समुद्र तट पर गए यहूदी लोगों पर आतंकवादियों ने हमला किया। अक्तूबर 2023 में गाजा में इस्राइल के युद्ध की शुरुआत के बाद से ऑस्ट्रेलिया में यहूदी-विरोधी कई हमले हुए हैं, जिसमें पूजा स्थल, इमारतों और कारों को निशाना बनाया गया है।

इस्राइस के विदेश मंत्री गिदोन सार ने गोलीबारी की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। ऑस्ट्रेलियाई यहूदी समुदाय की कार्यकारी परिषद के सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलेक्स रिवचिन ने कहा, अगर हमें जानबूझकर इस तरह निशाना बनाया गया है,

तो यह एक ऐसी भयावह घटना है जिसकी हममें से कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। यह एक भयानक घटना है। हमले में उनके मीडिया सलाहकार घायल हुए हैं।

11 साल बाद फिर सिडनी बना निशाना

यह हमला सिडनी के लिंड्ट कैफे में एक अकेले बंदूकधारी के 18 लोगों को बंधक बनाए जाने के लगभग 11 साल बाद हुआ। 16 घंटे तक चले गतिरोध के बाद दो बंधक और बंदूकधारी मारे गए थे।

पीएम मोदी ने घटना की निंदा की

पीएम मोदी ने हमले पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, आज ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन जश्न मना रहे लोगों को निशाना बनाकर किए गए भयानक आतंकवादी हमले की हम कड़ी निंदा करते हैं। भारत के लोगों की ओर से मैं उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। दुख की इस घड़ी में हम ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ खड़े हैं। भारत आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस रखता है और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करता है।पीएम अल्बनीज बोले- हमारे देश में नफरत, हिंसा और आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं

हमले के बाद देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री अल्बनीज ने कहा कि यहूदी लोगों पर किया गया हमला, हर ऑस्ट्रेलियाई नागरिक पर किया गया हमला है। आज रात हर ऑस्ट्रेलियाई मेरी इस हमले से गहरे सदमे में है। हमारे देश में नफरत, हिंसा और आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। मैं साफ कहना चाहता हूं कि हम इसे पूरी तरह खत्म करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का मोदी सरकार पर तीखा हमला

रामलीला मैदान से राहुल गांधी की हुंकार, भाजपा और चुनाव आयोग को दी चेतावनी, आरएसएस पर भी साधा निशाना

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को कांग्रेस की वोट चोरी, गद्दी छोड़ो रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर जोरदार हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी का आत्मविश्वास खत्म हो चुका है, क्योंकि उन्हें पता है कि उनकी चोरी पकड़ी गई है और जल्द ही यह बात लोगों को भी पता चल जाएगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को एक वोट का अधिकार संविधान में लिखा है,

और इस पर हमला करना अंबेडकर जी का अपमान है।

राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए कहा कि गांधी जी और हिंदू विचारधारा में सत्य को सबसे जरूरी माना जाता है। लेकिन, उन्होंने मोहन भागवत के अंडमान में दिए एक बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है। राहुल गांधी ने कहा, यह उनकी की विचारधारा है... मोहन भागवत कहते हैं- सत्य का कोई मतलब नहीं है, सत्ता जरूरी है।

उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में इस वक्त इसी सत्य और असत्य की लड़ाई चल रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि वे सत्य के पीछे खड़े होकर पीएम मोदी, अमित शाह और आरएसएस की सरकार को सत्ता से बाहर करेंगे।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को भी निशाने पर लेते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान भाजपा ने 10,000 रुपये दिए, लेकिन चुनाव आयोग ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि सच और झूठ की इस लड़ाई में चुनाव आयोग भाजपा सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है।

राहुल गांधी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि नरेंद्र मोदी चुनाव आयोग को छूट देने के लिए नया कानून लाए हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी इस कानून को बदल देगी और चुनाव आयुक्तों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन समारोह

सरकार व संगठन मिलकर प्रदेश को आगे बढ़ाएंगे : योगी

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के औपचारिक एलान के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया और कहा कि अब सरकार व संगठन मिलकर आगे बढ़ेंगे और उत्तर प्रदेश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप आगे बढ़ाएंगे।

उन्होंने कहा कि 2017 में जब प्रदेश में भाजपा की सरकार आई तो प्रदेश की पहचान बदलनी शुरू हुई। कानून व्यवस्था में सुधार हुआ जिससे निवेशकों ने प्रदेश की ओर देखना शुरू किया। हमें केंद्र से पूरा सहयोग मिलता रहा। हमने जब भी केंद्र से यूपी के विकास को लेकर कोई मांग की वो पूरी हुई। प्रदेश में पहली बार निवेशकों के लिए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन हुआ। विकास की इसी नीति और बदलाव के कारण यूपी बीमारू राज्यों की श्रेणी से बाहर आया और अब विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है जबकि पहले यूपी की पहचान दंगों से होती थी ।उन्होंने कहा कि आज यूपी की पहचान विकास और विरासत के साथ होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी में सैकड़ों वर्षों के इंतजार के बाद राम मंदिर के लिए भूमि पूजन समारोह किया। राम मंदिर का उद्घाटन हुआ और अभी 25 नवंबर को ध्वजारोहण समारोह कर राम मंदिर के पूर्ण होने की घोषणा की गई। यह भाजपा की सरकार में ही संभव हो सका है कि अब उत्तर प्रदेश की पहचान विकास, विरासत और अच्छी कानून व्यवस्था के कारण होती है। आज सबसे ज्यादा हाईवे उत्तर प्रदेश में हैं। सबसे ज्यादा मेट्रो रेल संचालित करने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। पहले प्रदेश में तीन से चार घंटे ही बिजली आती थी पर अब यूपी इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रदेश बन चुका है। यह सब डबल इंजन की सरकार के कारण ही संभव हो सका है।

शुद्ध नीयत से की जा रही है एसआईआर

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस समय प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया की जा रही है। यह मतदाताओं को जोड़ने के लिए शुद्ध नीयत से किया जा रहा कार्य है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हम मतदाताओं के पास जाएं और उनके नाम मतदाता सूची में जोड़ने में मदद करें साथ ही यह भी ध्यान रखें कि सूची में फर्जी मतदाता न जुड़ जाएं। ऐसे लोग भी हैं जो असम के हैं लेकिन मतदाता यूपी के हैं। हमारा उद्देश्य है कि फर्जी मतदाता न जुड़ पाएं और हमारे वोटर कम न होने पाएं। ये इसलिए जरूरी है कि जब साफ-सुथरी मतदाता सूची तैयार हो जाएगी ।

नितिन नबीन को सौंपी गई पार्टी कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान

» बीपीएस न्यूज

पटना। पीएम मोदी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि नितिन नबीन जी ने एक मेहनती कार्यकर्ता के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। वह एक युवा और मेहनती नेता हैं, जिनके पास संगठन का अनुभव है। बिहार में कई बार विधायक और मंत्री के तौर पर उनका शानदार रिकॉर्ड रहा है। उन्हें बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर बधाई।

बता दें कि 45 साल के नबीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए पूरे चुनाव होने तक राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे जबकि जे पी नड्डा तब तक इस पद पर बने रहेंगे जब तक औपचारिक रूप से पूर्णकालिक अध्यक्ष नियुक्त नहीं हो जाता।

बांकीपुर से कई बार विधायक रह चुके नबीन भाजपा और आरएसएस दोनों के ही करीबी हैं। वह सिक्किम में बीजेपी प्रभारी और छत्तीसगढ़ के लिए सह-प्रभारी के रूप में भी काम कर चुके हैं।

2026 में पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु सहित प्रमुख विधानसभा चुनाव होने हैं इसलिए नबीन का एजेंडा व्यस्त रहने की उम्मीद है।

भाजपा में यह परंपरा रही है कि कार्यकारी अध्यक्ष आखिरकार पार्टी अध्यक्ष बन जाता है।

जे पी नड्डा को भी अमित शाह के केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल होने के बाद पूर्णकालिक अध्यक्ष बनने से पहले पहले कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

पाक जेल से आई मछुआरों की चिट्ठी, हमें वापस वतन बुला लो

बांदा ।विकासखंड के गांव धौंसड़ निवासी दो गरीब मछुआरे चांद बाबू और लक्ष्मण पिछले पांच वर्षों से पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। अब उनका दर्द भरा पत्र गांव पहुंचा है, जिसने पूरे इलाके को भावुक कर दिया है। आंखों में आंसू, दिल में उम्मीद और होठों पर एक ही फरियाद कि हमें वापस वतन बुला लो ।पत्र पाकिस्तान की जेल में बंद सर्वेश के भाई उमाशंकर के माध्यम से गांव तक पहुंचा। पत्र में चांद बाबू और लक्ष्मण ने लिखा है कि पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट उन्हें वर्ष 2023 में ही बरी कर चुकी है। इतना ही नहीं पाकिस्तानी सरकार भी उनकी रिहाई के लिए तैयार है लेकिन भारत सरकार की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। सरकार की यही चुप्पी आज उनके घरवालों के लिए सबसे बड़ा दर्द बन गई है। परिजन माजिद ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से नेताओं और अधिकारियों की चौखट पर दस्तक दे रहे हैं। डीएम से लेकर मंत्रालय तक गुहार लगाई गई, लेकिन हर जगह से सिर्फ आश्वासन ही मिला। किसी ने यह नहीं बताया कि आखिर उनके बच्चों की वतन वापसी में देरी क्यों हो रही है। गरीब परिवार के पास न पैसा है, न पहुंच। यदि कुछ है तो बस एक उम्मीद कि सरकार उनकी पीड़ा सुनेगी।

उदयपुर में भीषण हादसा: टैंकर से टकराया बेकाबू ट्रेलर, फिर छह वाहनों के उड़े परखच्चे; तीन लोगों की मौके पर मौत

» बीपीएस न्यूज

उदयपुर। उदयपुर के पिंडवाड़ा नेशनल हाईवे पर छह वाहनों की टक्कर से भीषण हादसा हो गया, जिसमें तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और कई घायल हो गए। पत्थर से भरे ट्रेलर की टक्कर से तीन कारें चपेट में आईं, जिससे पांच किलोमीटर लंबा जाम लगा।

उदयपुर जिले में पिंडवाड़ा नेशनल हाईवे पर रविवार को एक के बाद एक छह वाहनों की टक्कर से भीषण सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद हाईवे पर दोनों ओर करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

पीर बावजी के पास हुआ दर्दनाक हादसा

जानकारी के मुताबिक, यह दुर्घटना गोगुंदा थाना क्षेत्र में पीर बावजी के पास हुई। जानकारी के अनुसार, पत्थरों से भरा एक ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और उसकी टक्कर एक टैंकर से हो गई। इसके बाद टैंकर की चपेट में तीन कारें भी आ गईं, जिससे हादसा और गंभीर हो गया ।कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त

हादसा इतना भीषण था कि एक फॉर्च्यूनर कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। टक्कर के बाद कई लोग वाहनों के नीचे फंस गए, जिन्हें बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल बन गया ।घटनास्थल से गुजर रहे भाजपा के उदयपुर देहात जिलाध्यक्ष पुष्करलाल तेली ने बताया कि पिंडवाड़ा की ओर से आ रहा ट्रेलर अचानक बेकाबू हो गया, जिसके बाद एक-एक कर वाहन आपस में टकराते चले गए। उन्होंने बताया कि आठ से अधिक लोग अलग-अलग गाड़ियों में फंसे हुए थे।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना के कारण हाईवे की दोनों लेन पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया, जिससे लंबा जाम लग गया।

पुलिस और प्रशासन की टीम क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सुचारु करने के प्रयास में जुटी रही। देर तक हाईवे पर वाहनों की कतारें लगी रहीं और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अपनी बात....

संपादकीय ....

मीडिया प्रतिबंध की आस्ट्रेलियाई पहल

पश्चिमी देश, जिस सोशल मीडिया के गुणगान करते नहीं अघाते थे, अब उन्हें इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझ में आने लगी है। सुगबुगाहट तो ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक प्रतिबंधों को लेकर हो रही है, लेकिन इस दिशा में पहल करने का साहस आस्ट्रेलिया ने सुधारवादियों के दबाव में उठाया है। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि वे बड़ी तकनीकी कंपनियों के अधिकार इसलिए वापस ले रहे हैं ताकि बच्चों के बच्चे होने के अधिकार और माता-पिता की मानसिक शांति के अधिकार की रक्षा हो सके। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया है कि यह सुधार जिंदगियां बदल देगा। साथ ही आस्ट्रेलिया के बच्चों को बचपन जीने का मौका देगा। आज दुनिया के तमाम देश मंथन कर रहे हैं यदि आस्ट्रेलिया यह पहल कर सकता है तो वे क्यों नहीं कर सकते। इनमें वे तमाम अभिभावक भी शामिल हैं जो अपने बच्चों की आत्महत्या के लिये सोशल मीडिया को जिम्मेदार मानते हैं। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया में यदि सोशल मीडिया मंच 16 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट हटाने में असफल रहते हैं, तो उन्हें करीबन पांच करोड़ आस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना चुकाने के लिये बाध्य होना पड़ सकता है। आस्ट्रेलियाई सरकार क्रिसमस तक मूल्यांकन करेगी कि ये प्रतिबंध कितने कारगर साबित हुए हैं। निस्संदेह, आस्ट्रेलिया की पहल ने पूरी दुनिया में सोशल मीडिया से बच्चों को दूर रखने की मुहिम को नई ऊर्जा दे दी है। कमोवेश, भारत जैसे देश भी सोशल मीडिया की असामाजिकता का दंश झेल रहे हैं। इसमें बच्चों के साथ ऑनलाइन बुलिंग से लेकर ऑनलाइन ठगी तक के तमाम मामले गाहे-बगाहे सामने आते रहते हैं। विडंबना है कि आज सोशल मीडिया पर प्रसारित वयस्कों की सामग्री से बच्चे जाने-अनजाने में परिचित हो रहे हैं। वे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं। जिससे समाज में तमाम तरह की सामाजिक विकृतियां पैदा हो रही हैं। निस्संदेह, इससे आने वाले समय में घातक सामाजिक विद्रूपताएं पैदा हो सकती हैं।

दरअसल, बच्चों के लगातार घंटों कथित सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से उनमें तमाम शारीरिक व मानसिक विसंगतियां पैदा हो रही हैं। उन्हें संस्कार अब माता-पिता व शिक्षक नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का दोहन करने वाले निहित स्वार्थी तत्व दे रहे हैं। जो कि भारतीय जीवन-मूल्यों व संस्कारों से मेल नहीं खाते। आज सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर इतनी अश्लील व द्विअर्थी सामग्री का प्रवाह है कि हमारे किशोर आपराधिक प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। सोशल मीडिया के घातक प्रभाव के चलते आज बच्चों के नायक बदल गए हैं। उनके आदर्श बदल गए हैं। उनका नजरिया बदल रहा है। सोशल मीडिया के कतिपय मंचों पर अश्लील सामग्री की उपलब्धता ने किशोरों में ब्रह्मचर्य के भारतीय मूल्यों को ताक पर रख दिया है। विडंबना यह है कि घंटों सोशल मीडिया पर बैठे रहने वाले बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। जिससे उनमें मोटापा व अनेक गैर संक्रामक रोग पनप रहे हैं। वे किशोर अवस्था में मधुमेह आदि उन रोगों के शिकार बन रहे हैं जो कभी बड़ी उम्र के लोगों को हुआ करते थे। इस संकट का एक घातक पहलू यह भी है कि मोबाइल पर लगातार सोशल मीडिया के कार्यक्रम स्क्रॉल करने वाले बच्चों की मानसिक एकाग्रता बाधित हो रही है। गाहे-बगाहे आत्महत्या करने वाले किशोरों के डेटा का यदि गंभीरता से विश्लेषण किया जाए तो निश्चित रूप से हम सोशल मीडिया के घातक प्रभाव की हकीकत से रूबरू हो सकते हैं। आस्ट्रेलियाई पहल से सबक लेकर भारत के नीति-नियंताओं को भी इस दिशा में गंभीरता से पहल करनी चाहिए। इस दिशा में थोड़ी भी देरी की देश को भविष्य में बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

एकता का वाहक बने स्वतंत्रता का अस्त्र

विश्वनाथ सचदेव

देश का हर नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, भारतीय है, भारत-माता का अंश है। 'वंदे मातरम?' गीत के एक हिस्से को ही राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकारना बहस का विषय नहीं है। बहस इस बात...

देश का हर नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, भारतीय है, भारत-माता का अंश है। 'वंदे मातरम?' गीत के एक हिस्से को ही राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकारना बहस का विषय नहीं है। बहस इस बात पर होनी चाहिए कि कैसे 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता को बनाये रखा जाये।'बेकार की बहस मत करो' यह पांच शब्द शायद ही किसी ने न सुनें या न बोले होंगे। इस बहस का सीधा-सा मतलब किसी विवादास्पद विषय पर विचार-विमर्श करके एक स्वीकार्य नतीजे पर पहुंचना होता है। हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में संसद अथवा विधानसभाओं में जब बहस की जाती है तो इसके मूल में कोई ऐसा विषय होता है जो विवादास्पद हो, जिस पर विचार करने वालों में विवाद हो।

तब विषय पर संवाद करके किसी एक नतीजे पर पहुंचने की कोशिश की जाती है। लेकिन, जब विवाद की स्थिति ही न हो, किसी विषय पर मतभेद हो ही नहीं तो फिर बहस क्यों? उस दिन जब संसद में हमारे 'राष्ट्रीय गीत' को लेकर बहस हो रही थी तो एक सवाल बार-बार मन में उठ रहा था यह बहस हो क्यों रही है? 'वंदे मातरम?' हमारी आज़ादी की लड़ाई का महामंत्र था, हमारे पूर्वजों ने इस मंत्र को हथियार बनाकर यह लड़ाई जीती थी। फिर जब संविधान-सभा में राष्ट्रगान को लेकर विचार हो रहा था तो सदस्यों ने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की रचना 'जन-गण-मन' को 'राष्ट्रगान' के रूप में स्वीकारा और बंकिम चंद्र चटर्जी की रचना 'वंदे मातरम?' के प्रारंभिक अंश को 'राष्ट्रगीत' की मान्यता दी गयी। आज़ादी की लड़ाई के दौरान भी यह राष्ट्रगीत गाया जाता था और बाद में भी इसे राष्ट्रगान के समकक्ष ही सम्मान दिया गया। आज़ादी की लड़ाई का साझा मंच थी कांग्रेस। कांग्रेस के हर अधिवेशन में तब भी, और अब भी, इसे पूरे सम्मान के साथ गाया जाता है। फिर 'बहस' किस बात की है?आज से डेढ़ सौ साल पहले, बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस गीत की रचना की थी, जिसे बाद में उन्होंने अपने उपन्यास 'आनंदमठ' में भी जोड़ा। देखते ही देखते यह 'वंदे मातरम?' हमारी आज़ादी की लड़ाई का महामंत्र बन गया। इस मंत्र की शक्ति और लोकप्रियता ने अंग्रेज़ों को दहला दिया था। उन्होंने इस 'जयघोष' पर ही प्रतिबंध लगा दिया। प्रतिबंध ने इसे और ताकतवर बनाया। कोड़े बरसते रहे, वंदे मातरम? का जयघोष गूंजता रहा। डेढ़ सौ साल पहले लगा यह जयघोष आज भी उतना ही ताकतवर और महत्वपूर्ण है। महत्वपूर्ण है यह जानना कि 'जन गण मन' को राष्ट्रगान और 'वंदे मातरम?' को राष्ट्रगीत घोषित करके इस बारे में भ्रम के इस अध्याय को समाप्त कर दिया गया था। इसीलिए वंदे मातरम? की महान रचना का 150वां साल मनाना तो समझ में आता है, पर इस पर 'बहस' किस बात की?

इस 'बहस' की मांग सत्तारूढ़ पक्ष की ओर से की गयी थी। होना तो यह चाहिए था कि इस अवसर का उपयोग उन स्वतंत्रता- सेनानियों को श्रद्धांजलि देकर उनके प्रति कृतज्ञता-ज्ञापन के लिए किया जाता; यह संकल्प लिया जाता कि हम उन सेनानियों के बलिदान को कभी भी व्यर्थ नहीं जाने देंगे; उनके सपनों को साकार करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। पर हुआ यह कि संसद में राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले हमारे सांसदों ने इसे राजनीतिक लाभ उठाने का अवसर बना दिया! यह अवसर मिल-जुल कर उत्सव मनाने का था, दुर्भाग्य ही है कि हमारे नेताओं ने इसे एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने तक ही सीमित करके रख दिया।

अवसर था कि हमारे नेता इस राष्ट्रगीत की महत्ता समझाते, यह बताते कि कैसे इस गीत के दो शब्दों 'वंदे मातरम?' ने देश में आज़ादी की लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक ला पहुंचाया था। यह अवसर था कि देश की युवा पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति समर्पण का अहसास कराया जाता। यह अवसर था कि भावी पीढ़ियों के लिए इस आशय का संदेश छोड़ा जाता कि कैसे सारा देश डेढ़ सौ साल पहले एक गीत के माध्यम से एकजुट हो गया था। पर संसद में हुई 'बहस' में ऐसा कुछ नहीं दिखाङ्कदिखा तो सिर्फ यह कि राजनेता राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर सोचना ही नहीं चाहते। सत्तारूढ़ पक्ष सारा समय यही शिकायत करता रहा कि गीत के टुकड़े करके देश को तोड़ दिया गया और विपक्ष यही बताता रहा कि कैसे सत्तारूढ़ पक्ष के पूर्वजों ने अंग्रेजों का साथ देकर आज़ादी की लड़ाई के साथ 'विश्वासघात' किया था!

पता नहीं, प्रधानमंत्री ने बहस की शुरुआत करते हुए यह कहना ज़रूरी क्यों समझा कि वंदे मातरम? गीत के टुकड़े करके जवाहरलाल नेहरू ने गीत की आत्मा को कमज़ोर बना दिया। उन्होंने यह कहना भी ज़रूरी समझा कि गीत के कुछ हिस्से हटाने से इस निर्णय ने देश के बंटवारे के बीज बो दिये थे। इतिहास साक्षी है कि 'आनंदमठ' में दिये गये लंबे गीत को 'राष्ट्रगीत' बनाने के लिए उसे कुछ संक्षिप्त करने का निर्णय जवाहरलाल नेहरू ने नहीं, कांग्रेस की एक समिति ने लिया था और इस समिति में महात्मा गांधी, सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस, राजेंद्र प्रसाद, अबुल कलाम आज़ाद, सरोजिनी नायडू जैसे अन्य लोग भी थे। हकीकत यह भी है कि गीत को संक्षिप्त करने का निर्णय लेने से पहले गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर से भी परामर्श किया गया था और उन्होंने भी इस निर्णय से सहमति व्यक्त की थी।संसद में हुई बहस के दौरान मुस्लिम तुष्टीकरण की बात भी उठायी गयी है। यह सही है कि गीत के बारे में निर्णय लेने वाली उस समिति में विचार-विमर्श में यह बात भी सामने आयी थी कि 'आनंदमठ' के उस गीत के कुछ अंश ऐसे हैं जिन पर देश की जनता के एक वर्ग को आस्था के संदर्भ में कुछ आपत्ति हो सकती है।

जालसाजी का ये नेटवर्क यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और झारखंड तक पहुंचा दिया

रैकेट बड़ा है, सामने सत्ता, पॉलिटिक्स और नेता खड़ा है!

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

सिरपजीवी गिरोह से शुरू हुई कश्मकश नेहा सिंह राठौर पर एफआईआर और पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की गिरफ्तारी पर जाकर सम्पन्न हुई । तो क्या मान लिया जाय की सत्तासीन नेता अपने पद का दुरूपयोग करते है या दूसरी भाषा में यह कहा जाय की आम लोगो के छोटे मोटे गुनाह उन्हे जेल भिजवा देते है जबकि बड़े नेता, उद्योगपति इत्यादि के बड़े गुनाह भी छिपा लिए जाते है या पैसे और सत्ता के दम पर दबा दिए जाते है। नशे के सिरप मामले में हो हल्ला बहुत हुआ पर कार्यवाही के नाम पर क्या हुआ आप सबको पता है। किसे बचाया जा रहा और कौन बलि का बकरा बन रहा। उधर गोरखपुर में फर्जी आईएएस गौरव कुमार सिंह उर्फ ललित किशोर पकड़ा गया। वो सिर्फ प्रोटोकॉल मेनटेन करके लिए हर महीने 5 लाख रुपए खर्च कर रहा था। सफेद इनोवा पर लाल बत्ती लगाकर वह गांवों का दौरा करता ।

बिहार के भागलपुर गांव में दौरा करते हुए असली आईएएस मिल गए। बैच और रैंक को लेकर उन्होंने सवाल पूछे, तो गौरव ने उन्हें थप्पड़ जड़े थे। हैरानी यह कि उन्होंने इसकी कहीं शिकायत तक नहीं की।

पुलिस को गौरव के पास से 2 मोबाइल मिले। अपने साले अभिषेक कुमार की मदद से गौरव खुद को सोशल मीडिया पर बतौर आईएएस अफसर पेश करता था। जालसाजी का नेटवर्क यूपी में बढ़ाने के लिए उसने गोरखपुर के परमानंद गुप्ता को सेट किया, जो अभिषेक का दोस्त था। सिर्फ 3 साल में जालसाजी का ये नेटवर्क यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और झारखंड तक पहुंचा दिया। वह इन राज्यों के बिल्डर और कारोबारियों को सरकारी ठेके दिलाने का ऑफर देता था। उन्हें एआई की मदद से जनरेट टेंडर के पेपर भी मुहैया करा देता था। बिहार के एक कारोबारी को 450 करोड़ का टेंडर दिलाने का झांसा देकर 5 करोड़ रुपए और 2 इनोवा कार की रिश्वत भी ले ली थी। अब ऐसे भी रैकेट चल रहें जबकि एक अन्य घटनाक्रम में पॉलिटिकल पॉवर के तहत पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को पहले फ़िल्मी स्टाइल में गिरफ्तार करती है पुलिस फिर कोर्ट ले जाती है । आप लें जाने के तरीके को देखिए। लग रहा है जैसे पुलिस किसी अंतरराष्ट्रीय अपराधी को खींचकर ले जा रही हो।

यही पुलिस कभी उनके आगे सैल्यूट बजाती थी। अमिताभ ठाकुर इस बीच चीखकर कहते हैं- मेरी हत्या कराई जा सकती है। योगी आदित्यनाथ के द्वारा ये किया जा रहा है। दरअसर इस दौर में योगी आदित्यनाथ का नाम दुष्प्रचारित करना किसी देशद्रोह से कम नहीं और बाबा का आदेश यूपी पुलिस के लिए किसी वैदिक क़ालीन धर्मग्रंथ से कम पवित्र नहीं है । आप ब्रजेश पाठक, पियरका चचा, केशव मौर्या को जितना चाहें अपशब्द कह दें कुछ नहीं होगा पर बाबा को बोलेंगे तो बचेंगे नहीं । नेता जी मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव की तो बात ही छोड़ दीजिए यें तो मुख्यमंत्री रहते सत्ता का खूब दुरूपयोग करते रहें है। आप अमित शाह और मोदी को भी जी भर कर अपशब्दों से नवाजेंगे तो आपको पैसों वाला सूटकेस लेकर कपिल सिब्बल से मिलना होगा। आपके खिलाफ चार थानों में छह एफआईआर होगी और लुकआउट नोटिस आपको सऊदी अरब से तलाश कर वापिस लाएगा।

हर दल में बड़ी-बड़ी नेत्रीया होती है जिन्हें मंच पर चीयर लीडर के तरह बिठाया जाता है, इनसे खूब मेहनत करवाया जाता है, प्रचार करवाया जाता है फिर इनको टिकट के नाम पर बरग़लाया जाता है। मैं फिर से कह रहा हूं यह जातिवादी मानसिकता से बनी पार्टीयों में ना देश प्रेम होता है ना हिंदू सनातन प्रेम होता है ना समाज प्रेम होता है। बस लोगों को जाति के नाम पर भड़काओ सत्ता हासिल करो और लोगों को दूध में पड़ी मक्खी की तरह उठाकर फेंक दो। और जितनी भी जातिवादी पार्टियां हैं चाहे वह एनडीए में शामिल हो या वह यूपीए में शामिल हो उनकी यही मानसिकता है। इसीलिए मैं कई बार लिखता हूं की जातिवादी और जाति के नाम पर बनी पार्टियों के अगर आप समर्थक हैं तो आप स्वार्थी और मतलबी है। जातिवाद का सबसे बड़ा उदाहरण विपक्ष में मुलायम परिवार है और पक्ष में भी उधर उपेंद्र कुशवाहा है अपनी पत्नी को विधायक बना दिए और जब मंत्री बनाने की बारी आई तब अपने बेटे को मंत्री बना दिए जो विधायक तक नहीं थे अब उपेंद्र कुशवाहा केंद्र में मंत्री हैं उनकी पत्नी विधायक हैं बेटा मंत्री है और बाकी कुशवाहा जी लोग देखकर खुश रहे होंगे कि हमारे समाज का व्यक्ति मंत्री है लेकिन आपको क्या मिला यह सोचिए !

यही हाल राजभर समाज के के नाम पर बनी पार्टी का है ओमप्रकाश राजभर ने अपने बेटे बेटी सबको राजनीति में सेट कर दिया मंत्री बना दिया विधायक बना दिया और आपको राजभर आर्मी में जाति के नाम पर सेट कर आपका आर्थिक और मानसिक दोहन करेंगे। यही हाल जीतन राम मांझी का है समधन बेटी दामाद भाई भतीजा सबको सेट कर दिए।

समाजवादी पार्टी से शुरू हुई परम्परा है यह जातिवाद जिसमें अखिलेश यादव के खानदान में उनका कोई ऐसा रिश्तेदार शायद ही होगा जो किसी न किसी पद पर ना हो और बाकी यादव जी लोगो का क्या हाल है आप खुद देख लीजिए । तो भाई यह जाति के नाम पर बनी पार्टियों से आप लोग दूर रहिए आप ऐसी पार्टी का समर्थन करिए जो एक राष्ट्रीय पार्टी हो जो अपनी एक विचारधारा लेकर चलती हो ना कि अपनी एक जाति को लेकर चलती हो।

रुपया गिरे तो क्या, डिजिटल नोट उछलेगा

लोग तो मज़ाक में कहते हैं कि सरकार को पहले से पता था कि रुपया गिरेगा, तभी डिजिटल करेंसी लॉन्च कर दी–'न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी।'जिसे गिरना होता है वह गिर जाता है—चाहे वह इंसान हो या रुपया। फर्क इतना है कि इंसान गिरे तो दो लोग उठाकर खड़ा कर देते हैं, और रुपया गिरे तो पूरा देश बहस में पड़ जाता है कि यह क्यों गिरा, कैसे गिरा, और आगे कितना और गिरेगा। इंसान चुपचाप गिरता है, पर रुपये के गिरने पर शोर ऐसा मचता है, मानो किसी बड़ी दुर्घटना की लाइव रिपोर्टिंग चल रही हो। शायद इसलिए कि इंसान के गिरने से सिर्फ इंसान दुखी होता है, पर रुपये के गिरने से पूरा देश आह भरता है।रुपया इन दिनों ऐसे फिसल रहा है जैसे किसी ने अर्थव्यवस्था के दरवाज़े पर केले का छिलका बिछाकर कह दिया हो–'जा बेटा, दौड़!' टीवी एंकर चिल्ला-चिल्लाकर बताते हैं–'रुपया रिकॉर्ड तोड़ गिरावट में है!' सुनकर लगता है—रिकॉर्ड टूट रहा है या देश की उम्मीदें? ऐसी स्थायी गिरावट की क्षमता किसी मुद्रा में नहीं, सिर्फ हमारे रुपये में ही है—जैसे यह उसका नैसर्गिक गुण हो।रुपये की गिरावट का असली दर्द वही जानता है, जिसकी जेब में रखा सिकुड़ता नोट रोज़ घर लौटते समय हल्की-सी सिसकी भरता है। सरकार से इस दर्द का कारण पूछो तो वह बड़ी आत्मीयता से कहती है–'अंतरराष्ट्रीय कारण हैं।' जनता कहती है–'ठीक है, पर नोट तो हमारे ही गिर रहे हैं!' लोग तो मज़ाक में कहते हैं कि सरकार को पहले से पता था कि रुपया गिरेगा, तभी डिजिटल करेंसी लॉन्च कर दी–'न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी।'

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा। दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

पुलिस चौकी में शराब पीने पर चौकी प्रभारी और दरोगा निलंबित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रावतपुर थाने की गुरुदेव पुलिस चौकी में शराब पी रहे चौकी प्रभारी लोकेश पटेल और दरोगा निखिल सिंह को मंगलवार रात निलंबित कर दिया गया। एडीसीपी पश्चिम कपिल देव सिंह ने बताया कि कई दिनों से गुरुदेव चौकी में शराब पीने की सूचना मिल रही थी।

सोमवार देर रात निरीक्षण किया तो चौकी प्रभारी लोकेश पटेल और दरोगा निखिल सिंह मेज पर रखकर शराब पीते मिले। मौके पर ही दोनों को फटकार लगाने के बाद रिपोर्ट बनाकर डीसीपी पश्चिम को भेज दी। डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने दोनों को निलंबित कर दिया।

घर में अकेली रह रही अस्थमा की मरीज वृद्धा ने तड़प तड़प कर दम तोड़ा, बदबू उठी तो बेटियों ने बुलाई पुलिस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रावतपुर में एक हृदय विचलित कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां घर में अकेली रह रही अस्थमा की मरीज बुजुर्ग महिला ने तड़प तड़प कर दम तोड़ दिया। मरने से पहले वृद्धा ने जरूर किसी को पुकारा होगा, आवाज लगाई होगी लेकिन शायद उनकी आवाज बाहर तक नहीं आई। मंगलवार को बदबू उठी तो पड़ोसियों ने बेटियों को सूचना दी। उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। पति और बेटे की मौत के बाद वृद्धा घर पर अकेली रहती थी। शव काफी सड़ चुका शव कमरे में मिला। मौत कितने दिन पहले हुई ये स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रावतपुर गांव रामलला निवासी मृतिका की बेटी शांति ने बताया कि केशवनगर निवासी मां कुसुमा देवी (70) अस्थमा की मरीज थीं। पन्द्रह दिन पहले वो और यशोदा नगर निवासी छोटी बहन लक्ष्मी ने अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां से छुट्टी मिलने के बाद मां घर आ गई थीं। वह सब भी अपने घर चले गए। दो दिसंबर को दामाद अविनाश से मां से बात हुई थी तब तक सब कुछ ठीक था। आज मोहल्ले के लोगों ने बताया तो जानकारी हुई। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। फॉरेंसिक टीम सीढ़ी से दीवार पर चढ़कर अंदर प्रवेश हुए और चाबी से दरवाजा खोला तो नीचे के पोर्शन में कमरे में वृद्धा का शव तख्त पर पड़ा था। मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। उन्होंने बताया कि गनफैक्ट्री से रिटायर्ड पिता राजेंद्र प्रसाद की कई साल पहले मौत हो चुकी है। वहीं इकलौते भाई सबलू की भी इसी साल फरवरी में ट्रेन से कटकर मौत हो चुकी है। बेटे की मौत के बाद से मां घर पर अकेली रहती थी। वह दोनों बहने कभी कभी उनका हाल चाल लेने आती थीं। एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार ने बताया कि बुजुर्ग महिला का शव मिला है। मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

मुझपर लगे चोरी के आरोप निराधार हैं... लिख महिला ने जहरीला पदार्थ खाया, गंभीर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । बिल्हौर में बलराम नगर मोहल्ला निवासी हिमांशु तिवारी की पत्नी दीपिका तिवारी ने मंगलवार सुबह पारिवारिक उलझनों को लेकर विवाद के बाद जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर दीपिका को सीएचसी बिल्हौर में भर्ती कराया गया, जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर हैलट रेफर कर दिया गया। पीड़ित ने जहर खाने से पहले पत्र में लिखा कि उस पर लगे चोरी के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। घटना के बाद मोहल्ले में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

पुलिस ने रवींद्रनाथ सोनी को छह दिन के रिमांड पर लिया, क्रिप्टो करेंसी और रुपयों के बारे में की पूछताछ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारत, दुबई, शारजाह, ओमान, अमेरिका, जापान आदि देशों के 700 लोगों से करीब 1500 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोपी रवींद्रनाथ सोनी को मंगलवार को पुलिस ने छह दिन की कस्टडी रिमांड में ले लिया। उसे सुबह 11 बजे जिला कारागार से निकाला गया। उससे क्रिप्टो करेंसी और रुपयों के बारे में पूछताछ करने के साथ ही रिश्तेदारों के संबंध में जानकारी जुटाई गई। पुलिस बुधवार को उसे दिल्ली और देहरादून लेकर जाएगी। कोतवाली के इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद पांडेय ने बताया कि पहले दिन रवींद्रनाथ सोनी से अकाउंट और रुपयों के ट्रांसफर करने के बारे में पूछताछ की गई। उसके कुछ रिश्तेदार दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, मेरठ और जयपुर में रहते हैं। संभावना जताई जा रही है कि उसने उनके नाम पर संपत्ति खरीदी है। सोनी के रियल इस्टेट में रुपये लगाने के इनपुट मिले हैं। उसके 22 अकाउंट और कुछ क्रिप्टो अकाउंट की भी जानकारी हुई है। पत्नी और सहमति संबंध में रह रही महिला के बारे में पूछताछ की जाएगी।

हो सकती दो और एफआईआरकोतवाली इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद पांडेय ने बताया कि दुबई में रहने वाले दो एनआरआई की ओर से तहरीर आई है।

इनपर भी एफआईआर दर्ज की जाएगी। अब तक कोतवाली में रवींद्रनाथ सोनी के खिलाफ चार प्राथमिकी दर्ज हो चुकी हैं। करीब 250 के आसपास शिकायतें ईमेल से पुलिस अधिकारियों के पास पहुंच चुकी हैं। कुछ केरल और तमिलनाडु के लोग भी दो से तीन दिन में आकर एफआईआर दर्ज करा सकते हैं।

प्रेमिका के महंगे मोबाइल के शौक ने बना दिया लुटेरा, गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रेमिका के महंगे मोबाइल के शौक ने एक युवक को लुटेरा बना दिया। पुलिस ने उसे सोमवार रात हैरिसगंज पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। सेंट्रल स्टेशन के जीआरपी प्रभारी निरीक्षक ओमनारायण सिंह ने अनुसार, उसने अपना नाम सिटी साइड, रेलवे कॉलोनी, हरबंश मोहाल निवासी सूरज बताया है। वह मुंबई जाने की तैयारी में था। उसके पास से दो कीमती मोबाइल मिले हैं। 2010 से अब तक 12 बार छिनैती और लूट के मामलों में जेल भेजा जा चुका है। सूरज ने बताया कि प्रेमिका दो-चार महीने में मोबाइल मांगती है इस लिए छिनैती करने लगा। पुलिस ने कोर्ट में पेश किया वहां से जेल भेज दिया गया।

भूपेश के वीडियो के 24 घंटे बाद मुक्ति मोर्चा के तीन वीडियो वायरल, सीपी पर मिलीभगत का आरोप

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कर्मचारी नेता भूपेश अवस्थी के सोमवार को वायरल वीडियो के 24 घंटे बाद मंगलवार को विपक्षियों के तीन वीडियो वायरल हुए। अखिलेश दुबे मुक्ति मोर्चा के सदस्य सौरभ भदौरिया ने वायरल वीडियो में सीबीआई और ईडी से मामले की जांच कराने की मांग की है। कहा कि अखिलेश दुबे, भूपेश अवस्थी और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों को लखनऊ के कतिपय अधिकारियों ने संरक्षण दे रखा है। उन्हीं के दबाव में पुलिस कमिश्नर भी हैं। तत्कालीन पुलिस कमिश्नर के जाने के बाद अखिलेश दुबे और गिरोह के सदस्यों के खिलाफ मिली शिकायतों में से 37 में क्लीन चिट दे दी गई। अब कमिश्नरी पुलिस पर भरोसा नहीं है। इधर, लगातार वीडियो वायरल होने के बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पा रही है।

पुलिस भूपेश अवस्थी को नहीं कर रही गिरफ्तार

सात मिनट 25 सेकेंड के वीडियो में सौरभ भदौरिया ने कहा कि अखिलेश दुबे, भूपेश अवस्थी का गिरोह जमीन और संपत्तियों को हड़पने के लिए छेड़छाड़, दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट, मादक पदार्थों की तस्करी समेत अन्य धाराओं में एफआईआर कराता था। इन लोगों की कारगुजारियां करीब 40 वर्ष से जारी थी जिसकी शिकायत तत्कालीन पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से की गई। उन्होंने एसआईटी से जांच कराई। भाजपा नेता रवि सतीजा, संदीप शुक्ला, शैलेंद्र कुमार, सुरेश पाल, प्रज्ञा त्रिवेदी समेत अन्य ने एफआईआर कराई थी। अखिलेश दुबे गिरोह ने 2500 करोड़ से अधिक की सरकारी जमीनों और पार्कों पर कब्जा किया है। पुलिस भूपेश अवस्थी को गिरफ्तार नहीं कर रही है। उसके खिलाफ 82-83 की कार्रवाई भी नहीं हो रही है जबकि 30 अक्तूबर को कोर्ट ने उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी कर दिया था। अधिवक्ता के मुताबिक उन लोगों के साथ पिंटू सेंगर जैसी कोई भी आपराधिक वारदात या हत्या हो सकती है। पूर्व कमिश्नर के जाने के बाद से अपराध का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। सीबीआई और ईडी से जांच आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का नहीं हो रहा पालन

अखिलेश दुबे मुक्ति मोर्चा में शामिल आशीष शुक्ला का 11:49 मिनट का वीडियो वायरल हुआ है। इसमें आशीष शुक्ला का कहना है कि अखिलेश दुबे, भूपेश अवस्थी और गिरोह के अन्य सदस्यों के दबाव में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेशों का पालन नहीं हो पा रहा है। वह जिला समन्वय और निगरानी समिति के पूर्व सदस्य रहे हैं। अभी जवाहर विद्या समिति के प्रबंधक हैं। भूमाफिया और सफेदपोश नेता संगठित गिरोह बनाकर अपराध कर रहे हैं। उनकी समिति को 1984 में एक जमीन का आवंटन किया गया था जिसकी चौथाई रकम भी जमा कर दी गई थी। तत्कालीन कांग्रेस विधायक अजय कपूर ने इस पर अपना प्रत्यावेदन किया था। उनका आवेदन निरस्त कर दिया गया। बाद में मामला हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। उनके हक में निर्णय आया लेकिन अखिलेश दुबे, भूपेश अवस्थी, रवि पांडेय समेत अन्य ने षड्यंत्र रच जमीन को पार्क के रूप में दिखाकर कब्जा करने प्रयास किया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर फोर्स वहां गई लेकिन महिलाओं व क्षेत्रीय अन्य लोगों ने बाधा उत्पन्न की। सिर्फ यही नहीं भूपेश अवस्थी ने आरटीआई का उपयोग कर बेटे के नाम से 1992-1994 की मार्कशीट निकलवाई और उसको फर्जी करार देते हुए गैंगस्टर अरिदमन सिंह से एफआईआर कराई। उन्होंने वीडियो में मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है।

पुलिस की मिलीभगत से भूपेश अवस्थी गिरफ्तार नहीं

प्रज्ञा त्रिवेदी के अधिवक्ता ने 47 सेकेंड का वीडियो जारी किया है। इसमें वह पुलिस कमिश्नर पर आरोप लगाते हुए नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में अधिवक्ता का कहना है कि भूपेश अवस्थी के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी है लेकिन पुलिस की मिलीभगत की वजह से उसको गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। कानपुर के पुलिस कमिश्नर आईपीएस अमिताभ यश के प्रभाव में हैं। अपराधियों का खिलाना बने हुए हैं। आमजन का उत्पीड़न हो रहा है।

वीडियो बनाकर अपना पक्ष कोई भी रख सकता है। हमारे लिए भूपेश अवस्थी वांछित है। उनके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी हुआ है। तलाश जारी है। अखिलेश दुबे के खिलाफ जांच और क्लीनचिट एसआईटी ने दी है। किसी भी अधिकारी की ओर से कोई दबाव नहीं है।

हैलट में दलाली का पर्दाफाश- प्रिंसिपल के राउंड में रंगे हाथ पकड़ाया दलाल, बैग से मिले आधार कार्ड और ब्लड सैंपल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। हैलट हॉस्पिटल में प्रिंसिपल संजय काला ने कमीशन के लिए मरीजों को प्राइवेट लैब में ले जा रहे एक दलाल को रंगे हाथ पकड़ा। उसके बैग से ब्लड सैंपल और मरीजों के आधार कार्ड जैसे अहम दस्तावेज मिले हैं।

कानपुर में सरकारी हॉस्पिटल से मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों और पैथालॉजी में ले जाने वाले एक बड़े सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ है। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध हैलट हॉस्पिटल में प्रिंसिपल संजय काला ने खुद राउंड के दौरान एक दलाल को रंगे हाथ पकड़ा।

बताया जा रहा है कि हैलट हॉस्पिटल में मरीजों को बहला-फुसलाकर प्राइवेट पैथालॉजी और हॉस्पिटल में ले जाने का एक बड़ा सिंडिकेट काम कर रहा है, जिसके एवज में दलालों को भारी कमीशन मिलता है। प्रिंसिपल संजय काला ने राउंड के दौरान एक दलाल को पकड़ा है।पकड़े गए दलाल के बैग से कई ब्लड सैंपल, मरीजों के आधार कार्ड, और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए, जो इस रैकेट में उसकी संलिप्तता साबित करते हैं। प्रिंसिपल ने पकड़े गए दलाल को तुरंत पुलिस के हवाले कर दिया, जिसने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

पंजाब से तस्करी कर ओडिशा भेजी जा रही 853 पेटी अवैध शराब बरामद

कानपुर। जीएसटी विभाग ने मंगलवार को चेकिंग अभियान के दौरान एक ट्रक से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। शातिर रुई की गांठों में छुपाकर शराब ले जा रहे थे। जिला आबकारी अधिकारी राजेश सिंह ने बताया कि पंजाब से तस्करी कर ओडिशा ले जाई जा रही विभिन्न ब्रांड की 853 पेटी शराब ट्रक से बरामद की गई। मामले की सूचना आबकारी विभाग को दी गई। कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है रावतपुर थाने की गुरुदेव पुलिस चौकी में शराब पी रहे चौकी प्रभारी लोकेश पटेल और दरोगा निखिल सिंह को मंगलवार रात निलंबित कर दिया गया।

पहली मंजिल से गिरकर युवक की मौत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्याणपुर थानाक्षेत्र के एक गेस्टहाउस में दोस्त की बर्थ-डे पार्टी से रोहन कुमार (22) पहली मंजिल से नीचे जा गिरा। हैलट में उसकी मौत हो गई। बर्थ डे पार्टी में शराब भी परोसी गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमॉर्टम हाउस में मां संगीता और बड़े भाई रजत का रो रोकर बुरा हाल रहा।

पोस्टमॉर्टम हाउस में नानकारी निवासी बड़े भाई रजत ने बताया कि रोहन का टेंट का काम है। सोमवार को नानकारी में ही रहने वाले रोहन के दोस्त का जन्मदिन था। इसके लिए नारामऊ स्थित गेस्ट हाउस में भव्य पार्टी आयोजित की गई थी। इसमें कई दोस्त शामिल हुए थे। देर शाम केक काटने के बाद गेस्ट हाउस में शराब पार्टी भी हुई। रात करीब 10 बजे रोहन अचानक गेस्ट हाउस की पहली मंजिल से नीचे जा गिरा। उसके सिर और सीने में चोट आ गई थीं। दोस्त उसे निजी अस्पताल ले गए। वहां से डॉक्टरों ने हैलट ले जाने के लिए कहा। इसके बाद उसे हैलट ले जाया गया। वहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कल्याणपुर थाना प्रभारी राजेंद्रकांत शुक्ला ने बताया कि सूचना पर

शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल कोई तहरीर नहीं मिली है। परिजन तहरीर देंगे तो उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

551 जोड़े हुए एक दूजे के, 540 हिन्दू जोड़ों का हुआ विवाह जबकि 11 जोड़ों का निकाह

» 551 जोड़ों का जीवन संगम, सीएसए मैदान में गूँजी खुशियों की अनोखी धुन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का विशाल मैदान बृहस्पतिवार को सामाजिक सौहार्द, परंपरा और सामूहिक उल्लास का ऐसा केंद्र बना, जहाँ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 551 जोड़ों ने अपने नए जीवन की शुरुआत की। इनमें 540 हिन्दू जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे लिए, जबकि 11 मुस्लिम जोड़ों ने गरिमामय निकाह के साथ अपने वैवाहिक जीवन का आरम्भ किया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधायक महेश त्रिवेदी, विधायक नीलिमा कटियार, विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक सरोज कुरील, एमएलसी सलिल बिश्नोई, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन , ज्वाइंट मजिस्ट्रेट /उप जिलाधिकारी सदर अनुभव, जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह आदि संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवदम्पत्तियों पर पुष्प वर्षा की और उनके सुखी दांपत्य जीवन की कामना की। सुव्यवस्थित पंडाल, समुचित सुरक्षा, स्पष्ट मार्गदर्शन और सहज वातावरण ने पूरे आयोजन को अत्यंत भव्य और श्रेष्ठ रूप दिया। कार्यक्रम में शामिल लाभार्थियों ने भी सरकार और प्रशासन की व्यवस्थाओं के प्रति गहरा संतोष व्यक्त किया। शिवराजपुर की रेखा कुशवाहा ने बताया कि उनकी भांजी का विवाह इस योजना के अंतर्गत हुआ है और पूरे कार्यक्रम में व्यवस्थाएँ अत्यंत संतोषजनक रहीं। उन्होंने कहा कि इतने बड़े मंच पर उनकी भांजी का विवाह सम्पन्न होना उनके लिए गर्व और खुशी का विषय है तथा वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हैं।इसी तरह शिवराजपुर के दूल्हा आदित्य ने बताया कि उन्होंने इतने संगठित और बड़े स्तर के आयोजन की कल्पना भी नहीं की थी। प्रशासनिक व्यवस्था, सजगता और सुविधाओं के कारण किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की यह संवेदनशील पहल उनके जैसे अनेक परिवारों के लिए वास्तविक संबल बनती है।

समाज के शैक्षिक व सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल: ए.के. शर्मा

» सामाजिक समरसता और नवनिर्माण का केंद्र बनेगा महर्षि वाल्मीकि सुदर्शन धर्मशाला भवन: नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कानपुर नगर के रायपुरवा क्षेत्र में निर्माणाधीन महर्षि वाल्मीकि सुदर्शन धर्मशाला भवन का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। यह भवन हरिजन सहायक समिति द्वारा निर्मित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों सहित समस्त समाज के शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को गति देना है।इस अवसर पर मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक भवन समाज में एकता, समरसता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जैसे महान ऋषि और समाज सुधारक के नाम पर निर्मित यह भवन सामाजिक नवनिर्माण का सशक्त माध्यम बनेगा और समाज को नई दिशा प्रदान करेगा। मंत्री शर्मा ने कहा कि भवन के पूर्ण होने के बाद यहां विवाह एवं अन्य पारिवारिक कार्यक्रमों, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों, तथा विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग, मार्गदर्शन कक्षाएं और शैक्षिक गतिविधियां संचालित की जाएंगी।इससे समाज के प्रतिभावान युवक-युवतियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर प्राप्त होंगे और उनका आत्मविश्वास सुदृढ़ होगा।मंत्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार सर्वसमावेशी विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है और समाज के हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस तरह के सामाजिक भवन सामाजिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सामूहिक उत्थान की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।मंत्री ए.के. शर्मा ने भवन निर्माण से जुड़े सभी पदाधिकारियों, समाजसेवियों एवं कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह भवन आने वाले समय में समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगा और सामाजिक सद्भाव को और अधिक सुदृढ़ करेगा।इस अवसर पर कानपुर नगर की मेयर प्रमिला पांडेय, महिला कल्याण एवं बाल विकास, पुष्टाहार राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला भी उपस्थित रहीं।

1 साल पहले खोया फोन बरामद कर बाबू पुरवा साइबर सेल टीम ने लौटाया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शिकायत कर्ता अजय शाहू निवासी बगाही थाना बाबूपुरवा कानपुर नगर का 1 साल पहले खोया हुआ फोन cyber सेल टीम बाबूपुरवा द्वारा बरामद कर शिकायत कर्ता को लौटाया गया। 1 साल के उपरांत खोया फोन मिलने के बाद शिकायतकर्ता ने खुश होकर पुलिस के कार्य की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया।

ठंड के बढ़ते असर को देखते हुए प्रशासन अलर्ट,.. आपदा प्रहरी ऐप से की जा रही निगरानी

तहसीलों में कंबल वितरण, अलाव एवं रैन बसेरे सक्रिय

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। लगातार बढ़ रही ठंड के मद्देनज़र जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर जनपद का प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। ठंड से बचाव के लिए सभी तहसीलों में जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए जा रहे हैं और प्रमुख बाजारों, चौराहों व सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से अलाव जलाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि कोई भी जरूरतमंद ठंड से प्रभावित न रहे और सभी व्यवस्थाएं निरंतर निगरानी के साथ संचालित की जाएं।

घाटमपुर तहसील में कंबल वितरण का कार्य प्रारंभ हो चुका है। उपजिलाधिकारी अबिचल प्रताप सिंह ने बताया कि अज्योरी, सजेती और कुष्मांडा माता मंदिर परिसर में विधवा, निराश्रित, बुजुर्ग तथा यति-संन्यासी सहित लगभग 80 जरूरतमंद और पात्र व्यक्तियों को कंबल वितरित किए गए। सीएचसी घाटमपुर, मां कुष्मांडा मंदिर परिसर सहित प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थलों पर अलाव जलाए जा रहे हैं। तहसील क्षेत्र में कुल 20 अलाव स्थल सक्रिय हैं, जिनमें 7 नगर पालिका क्षेत्र और 13 ग्रामीण क्षेत्रों के बाजार व चौराहों पर स्थापित हैं। उन्होंने बताया कि कुष्मांडा माता मंदिर परिसर और तहसील परिसर में स्थापित दोनों स्थायी रैन बसेरे पूरी तरह क्रियाशील हैं।

बिल्हौर तहसील में उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने बताया कि घुमंतु समुदाय से जुड़े ऐसे परिवार जो बिना स्थायी आवास के जीवनयापन कर रहे हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर कंबल वितरित किए गए हैं। ककवन टेंपो स्टैंड, चौबेपुर सहित विभिन्न बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि बिल्हौर और शिवराजपुर में स्थापित दोनों स्थायी रैन बसेरों में ठंड से बचाव की समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं।

नरवल तहसील में उपजिलाधिकारी विवेक मिश्रा ने क्षेत्र भ्रमण कर अलाव स्थलों का निरीक्षण किया और बाजारों में आने वाले खरीदारों, कामगारों व श्रमिकों की सुविधा के अनुसार सुबह और शाम नियमित रूप से अलाव जलवाने के निर्देश दिए। नर्वल, हाथीपुर और रूमा क्षेत्रों में कंबल वितरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। तहसील कार्यालय परिसर में आयोजित वितरण कार्यक्रम में लगभग 95 जरूरतमंदों को कंबल प्रदान किए गए।

सदर तहसील में तहसीलदार विनय कुमार द्विवेदी ने बताया कि तहसील क्षेत्र के 22 स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं और जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए जा रहे हैं। सभी व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

आपदा विशेषज्ञ जुगबीर सिंह ने बताया कि जनपद में सदर तहसील में 22, बिल्हौर और घाटमपुर में 20-20 तथा नरवल तहसील में 10 अलाव स्थल सक्रिय हैं।

सभी अलाव स्थलों एवं रैन बसेरों की फोटो नियमित रूप से आपदा प्रहरी ऐप पर अपलोड की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि चारों तहसीलों में कंबल वितरण के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है। सदर तहसील में 1,182 कंबल उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि घाटमपुर, नरवल और बिल्हौर में प्रत्येक तहसील को 700-700 कंबल उपलब्ध कराए जा चुके हैं, जिनका वितरण निरंतर किया जा रहा है।

कलेक्ट्रेट में सजी देसी सेहत की मिठास

लड्डू बाज़ार का हुआ आयोजन

» सोंठ, अलसी-मेथी और कच्ची हल्दी के पारंपरिक लड्डुओं से महका परिसर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । कलेक्ट्रेट प्रांगण में आयोजित लड्डू बाज़ार उत्सव का शुभारंभ जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने किया। सर्दियों के मौसम में सेहत से जुड़ी पारंपरिक मिठास को समर्पित इस आयोजन में सोंठ, अलसीङ्कमेथी, कच्ची हल्दी और मिलेट्स से बने लड्डू विशेष आकर्षण के रूप में सामने आए।

जिलाधिकारी ने कहा कि भारत की सर्वश्रेष्ठ और स्वास्थ्यवर्धक रेसिपी बड़े होटलों में नहीं, बल्कि घरों की रसोई में विकसित हुई हैं। उन्होंने कहा कि जनपद की अनेक महिलाएं छोटे स्तर पर घरेलू उद्योग संचालित कर रही हैं, जो शुद्ध, ताज़ा और पौष्टिक उत्पाद तैयार कर रही हैं। ऐसे आयोजनों से इन प्रयासों को पहचान मिलने के साथ-साथ उन्हें बाज़ार से भी जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि लड्डू बाज़ार उत्सव के माध्यम से मानस उद्योग सहित कई स्थानीय महिला उद्यमी और संस्थान जुड़े हैं, जो मौसम के अनुरूप ऐसे पारंपरिक लड्डू तैयार कर रहे हैं, जो सामान्य बाज़ार में आसानी से उपलब्ध नहीं होते। जिलाधिकारी ने कहा कि घरों में बनने वाली पारंपरिक मिठाइयाँ स्वास्थ्य के लिए अधिक लाभकारी होती हैं, जबकि खुले बाज़ार में कई बार पुराने उत्पाद दोबारा गर्म कर बेचे जाते हैं, जो स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं होते।

जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि कलेक्ट्रेट परिसर में इस प्रकार का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा, जिससे स्थानीय उत्पादों को स्थायी मंच मिल सके और आमजन को शुद्ध, ताज़ा एवं स्वास्थ्यकारी खाद्य सामग्री उपलब्ध हो।उत्सव में सोंठ, अलसीङ्कमेथी और कच्ची हल्दी के लड्डू, शुगर-फ्री गजक तथा मिलेट्स आधारित लड्डू और स्नैक्स प्रदर्शित किए गए। आयोजन में स्थानीय महिला उद्यमियों और लघु उद्योगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

साकेत नगर की चिंकी अग्रवाल ने बताया कि वे पिछले चार वर्षों से घर पर तैयार किए गए पारंपरिक लड्डुओं का निर्माण कर रही हैं, जिनमें बेसन, तिल, अलसी, बाजरा और सोंठ जैसे घटक शामिल हैं। मंधना क्षेत्र से जुड़े माधव फूड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि हेमंत तिवारी ने बताया कि उनके स्टार्टअप के माध्यम से मिलेट्स आधारित लड्डू, कच्ची हल्दी के लड्डू और बिना गुड़-चीनी के तिल के लड्डू तैयार किए जा रहे हैं।

डॉ. ज्योति चौहान ने बताया कि एमएसएमई से जुड़े प्रशिक्षण के बाद वे मिलेट्स आधारित उत्पादों का निर्माण कर रही हैं, जिनमें ज्वार, बाजरा, रागी और अलसी के लड्डू के साथ रागी नमकीन और अलसी से बना बुकनू शामिल है, जिसकी वर्तमान में अच्छी मांग है।

चौबेपुर के बिरैचामऊ क्षेत्र की अन्नपूर्णा महिला स्वयं सहायता समूह ने भी अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। समूह राष्ट्रीय आजीविका मिशन से जुड़कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहा है। वर्ष 2019 में फ्रमानस ग्रामफ्र ब्रांड की स्थापना के बाद समूह द्वारा दलहन, तिलहन, अनाज, अचार, मुरब्बे, मसाले और दलिया सहित अनेक जैविक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें प्रमाणिक परीक्षण और विपणन सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

करंट की चपेट में आने से दोना पत्तल फैक्टरी में मृत मिले संचालक, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र के चंद्रनगर लालबंगला में शनिवार दोपहर दोना-पत्तल फैक्टरी में संचालक प्रवीन जायसवाल (45) मृत मिले। खाना खाकर लौटे कर्मचारी ने शव देखा तो सूचना पुलिस को दी। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में करंट से मौत की पुष्टि हुई है। फैक्टरी संचालक प्रवीन पांच भाइयों में सबसे छोटे थे।

चौथे नंबर के भाई प्रमोद जायसवाल ने बताया कि घर के पास ही उनकी फैक्टरी है। शनिवार दोपहर प्रवीन कर्मचारी राजू के साथ काम करा रहे थे। राजू दोपहर में खाना खाने चला गया। आधे घंटे बाद लौटा तो प्रवीन जमीन पर पड़े मिले। चकेरी कार्यवाहक थाना प्रभारी रिजवान खान ने बताया कि परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

शीतलहर से बचाव हेतु समस्त जनपदीय अधिकारी सेवा-भाव से करें जनसहायता

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शीतलहर एवं घने कोहरे की परिस्थितियों के दृष्टिगत राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में निराश्रित, असहाय तथा कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों के लिए रैन बसेरा संचालन, राहत कार्यों की व्यवस्था तथा सुरक्षा उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। रैन बसेरों के निरीक्षण एवं व्यवस्थाओं हेतु निर्देश जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट, तहसीलदार एवं नगर निगम के जोनल/अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के रैन बसेरों का स्थलीय निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए निरीक्षण के दौरान उनमें पानी, बिजली, कम्बल, शौचालय, चार्जिंग प्वाइंट आदि व्यवस्थाएं उपलब्ध हों यह सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि उपयुक्त व्यवस्थाओं के संबंध में समस्त अधिकारी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के संबंध में फोटोयुक्त डिजिटल डायरी तैयार कर दो दिवस में उपलब्ध कराएं।जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी अस्थायी गौवंश आश्रय स्थलों में ठंड से बचाव हेतु समुचित व्यवस्था, जैसे बिछावन, तिरपाल, पानी एवं चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।बैठक के दौरान विवेक चतुर्वेदी, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) , समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार एवं जुगबीर सिंह, आपदा विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

संसद भवन पर आतंकी हमले की बरसीः राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित मंत्रियों ने बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को संसद भवन पर हुए आतंकी हमले की बरसी पर वीर बलिदानियों का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।13 दिसंबर 2001 को जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैय्यबा के 5 आतंकियों ने संसद भवन पर हमला कर दिया लेकिन भारतीय सुरक्षाकर्मियों ने जान की बाजी लगाकर न केवल इन आतंकियों के मंसूबों को नाकाम किया बल्कि सभी को मार गिराया। इस दौरान दिल्ली पुलिस के पांच जवान, एक महिला कांस्टेबल और दो सुरक्षा गार्डों ने बलिदान दिया।

इन बलिदानियों का स्मरण करते हुए राष्ट्रपति ने एक्स पर कहा, राष्ट्र उन बहादुर नायकों को सलाम करता है, जिन्होंने 2001 में आज ही के दिन हमारी संसद की रक्षा करते हुए अपनी जान दे दी थी। उनकी बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा हमारी राष्ट्रीय भावना को प्रेरित करती रहेगी। देश उनके और उनके परिवारों का हमेशा ऋणी रहेगा।रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, संसद भवन पर हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले के दौरान अटूट ढाल बनकर खड़े रहने वाले बहादुर सुरक्षाकर्मियों को दिल से नमन करते हैं।

उन्होंने हमारे लोकतंत्र की आत्मा की रक्षा के लिए अपनी जान दे दी। उनका साहस, सर्वोच्च बलिदान और कर्तव्य के प्रति अटूट भावना हमेशा देश की चेतना में जीवित रहेगी तथा भारत के संकल्प को प्रेरित करेगी।गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, आज का दिन आतंकवाद के खिलाफ हमारी सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और वीरता को एक बार फिर याद करने का दिन है, जब 2001 में, सुरक्षा बलों ने अपने दृढ़ संकल्प और जज्बे से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर, हमारे संसद भवन पर हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया था। मैं उन सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि देता हूं जो आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए शहीद हुए। यह राष्ट्र इन वीर योद्धाओं के बलिदान और शहादत का हमेशा ऋणी रहेगा।

यूपी भाजपा अध्यक्ष चुनाव

पंकज चौधरी होंगे यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष

नामांकन करने के बाद पंकज चौधरी का बयान आया सामने, बोले- कोई पद छोटा या बड़ा नहीं

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। यूपी भाजपा अध्यक्ष चुनाव में नामांकन करने के बाद पंकज चौधरी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि कोई पद छोटा या बड़ा नहीं होता है। पार्टी जो दायित्व देती है, उसे निष्ठा से निभाते हैं।

राजधानी लखनऊ में यूपी भाजपा अध्यक्ष के लिए नामांकन करने के बाद केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि अभी नामांकन दाखिल हुआ है। जांच चल रही है। रविवार को जब घोषणा होगी तभी मैं कुछ कह पाऊंगा। कोई पद छोटा या बड़ा नहीं होता है। पार्टी से जो दायित्व मिलता है, उसे कार्यकर्ता के नाते हम पूरी निष्ठा से निभाते हैं।

बताते चलें कि भाजपा के नए प्रदेश

अध्यक्ष के लिए केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को नामांकन कर दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ प्रस्तावक बने। इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य व ब्रजेश पाठक, मंत्री सूर्यप्रताप शाही, मंत्री स्वतंत्रदेव, मंत्री दारा सिंह चौहान, मंत्री ए के शर्मा, कमलेश पासवान, राज्यमंत्री असीम अरुण मौजूद रहे। वहीं, रविवार को लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में पीयूष गोयल नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान किया जाएगा। दोपहर एक बजे पंकज चौधरी, पीयूष गोयल और विनोद तावड़े के साथ लखनऊ पहुंचे। एयरपोर्ट पर पंकज चौधरी ने हृद्ध से बातचीत में कहा था, आज भाजपा के सभी सांसदों को बुलाया गया है, प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होना है, उसमें सबको बुलाया गया है। अब आगे पार्टी तय करेगी।

पंकज चौधरी के पहले कई नेता बन चुके हैं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, दो को मिला मुख्यमंत्री बनने का मौका

पंकज चौधरी को प्रदेश भाजपा का नया अध्यक्ष चुनना करीब-करीब तय हो गया है। औपचारिक घोषणा रविवार को होगी। 1980 में पार्टी बनने के बाद वह पार्टी के 16वें अध्यक्ष बन रहे हैं। पंकज सात बार के विधायक हैं। पंकज चौधरी के पहले 15 नेताओं को पार्टी का अध्यक्ष बनने का मौका मिला था। प्रदेश में सात बार ब्राह्मणों को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। इसमें से कलराज मिश्र दो बार प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए। अगर चेहरों के दृष्टिकोण से देखें तो छह ब्राहाम्ण चेहरों को पार्टी ने प्रदेश का मुखिया बनाया। पार्टी के इतिहास में दो बार ऐसा हुआ है कि प्रदेश अध्यक्ष को मुख्यमंत्री बनने का अवसर प्राप्त हुआ हो। अध्यक्ष बनने वाले नेताओं में दो नेता ऐसे रहे हैं जिन्हें मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला। 1982 से 1984 के बीच प्रदेश अध्यक्ष रहने वाले कल्याण सिंह को मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला। उन्होंने दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और एक बार सांसद के रूप में कार्य किया। दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद के विध्वंस के समय वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे।

900 करोड़ का फंसा पेंच! इंडिगो ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा, जस्टिस जैन ने सुनवाई से खुद को किया अलग

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन का संचालन करने वाली इंटरग्लोब एविएशन ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर विदेशी मरम्मत के बाद भारत में पुनः आयात किए गए विमान इंजनों और पुर्जों पर सीमा शुल्क के रूप में भुगतान किए गए 900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि की वापसी की मांग की। यह याचिका न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति शैल जैन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। हालांकि, न्यायमूर्ति जैन ने मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया क्योंकि उनका बेटा इंडिगो में पायलट है। इंडिगो ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि इस तरह के पुनर्आयात पर सीमा शुल्क लगाना असंवैधानिक है और एक ही लेनदेन पर दोहरा शुल्क लगाने के बराबर है।

उसके वकील ने बताया कि मरम्मत के बाद विमान के इंजन और पुर्जों के पुनर्आयात के समय, उसने बिना किसी विवाद के मूल सीमा शुल्क का भुगतान किया था। इसके अलावा, चूंकि मरम्मत एक सेवा है, इसलिए उसने रिवर्स चार्ज के आधार पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का भी भुगतान किया था। हालांकि, वकील ने बताया कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने उसी लेन-देन को माल का आयात मानकर दोबारा सीमा शुल्क लगाने पर जोर दिया। एयरलाइन ने दावा किया कि यह मामला पहले सीमा शुल्क न्यायाधिकरण द्वारा सुलझाया जा चुका है, जिसने फैसला सुनाया था कि मरम्मत के बाद पुनः आयात पर दोबारा सीमा शुल्क नहीं लगाया जा सकता।

एयरलाइन ने कहा कि छूट अधिसूचना में बाद में संशोधन किया गया था, लेकिन न्यायाधिकरण ने फैसला सुनाया कि यह संशोधन केवल भविष्य में लागू होगा। एयरलाइन ने कहा कि उसने 4,000 से अधिक बिल ऑफ एंट्री पर 900 करोड़ रुपये से अधिक का शुल्क विरोध जताते हुए अदा किया है। बाद में जब इंडिगो ने रिफंड के दावे दायर किए, तो सीमा शुल्क अधिकारियों ने इस आधार पर उन्हें अस्वीकार कर दिया कि एयरलाइन को पहले प्रत्येक बिल ऑफ एंट्री का पुनर्मूल्यांकन करवाना होगा।

मगध एक्सप्रेस में भीषण धमाकाः चलती ट्रेन से कूदे यात्री कई अचेत...भेजा गया अस्पताल, पूरे कोच में फैला धुआं

» बीपीएस न्यूज

चंदौली ।नई दिल्ली से इस्लामपुर जा रही डाउन मगध एक्सप्रेस के जनरल कोच में शनिवार की सुबह झिंगूरा और पहाड़ा स्टेशन के बीच तेज धमाके से यात्रियों में भगदड़ मच गई। फायर इंस्टीग्यूशर का ढक्कन फटने से पूरे कोच में धुआं फैल गया और यात्री डर कर खिड़की से कूद गए। नई दिल्ली से इस्लामपुर जा रही डाउन 20802 मगध एक्सप्रेस शनिवार की सुबह 10-21 बजे मिर्जापुर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के लिए चली थी। ट्रेन अभी झिंगुरा पाकर पहाड़ा स्टेशन के समीप पहुंच रही थी। तभी ट्रेन के गार्ड बोगी से तीसरे जनरल कोच में लगे फायर इंस्टीग्यूशर का ढक्कन फट गया। इससे तेज धमाका हुआ और पूरे कोच में धुआं फैल गया। यात्रियों में भगदड़ मच गई। इस बीच, किसी ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रोकी। ट्रेन रूकने के पहले ही कई यात्री चलती ट्रेन से नीचे कूद गए। यह संयोग ही था कि अप की ओर से कोई ट्रेन नहीं आ रही थी। अन्यथा बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता था।

दौड़े-भागे पहुंचे अफसर

कोच के अंदर भगदड़ से यात्री चोटिल हो गए। यात्रियों ने हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल किया, लेकिन यहां कोई पहुंचा नहीं। बाद में चालक ने ट्रेन ओ बढ़ाई और ट्रेन चुनार जंक्शन पर रुकी। यहां आरपीएफ और जीआरपी, वाणिज्य विभाग की टीम के साथ मेडिकल की टीम पहुंची और चार जख्मी यात्रियों को नीचे उतारा और प्राथमिक उपचार किया। इस घटना की सूचना पीडीडीयू जंक्शन पर भी पहुंची। ऐसे में यहां भी आरपीएफ, जीआरपी के साथ ही वाणिज्य विभाग और मेडिकल टीम पहुंच गई। चुनार से ट्रेन दोपहर 12-07 पर पं. दीनदयाल उपाध्याय जक्शन के प्लेटफार्म संख्या एक पर पहुंची। यहां एक यात्री अर्जुन (36) निवासी पटना लगभग अचेतावस्था में मिला। लोको मंडलीय अस्पताल के चिकित्सक डॉ. राजीव ने जांच की तो उसका ब्लड प्रेशर अत्यधिक बढ़ा रहा। इस पर उसे उतार कर लोको अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद 12-48 बजे ट्रेन आगे के लिए रवाना हुई। इस संबंध में आरपीएफ निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत ने बताया कि मगध एक्सप्रेस में मिर्जापुर के समीप फायर इंस्टीग्यूर में कुछ गडबड़ी आई थी। इससे एक यात्री घबरा गया था। उसे पीडीडीयू जंक्शन पर उतार कर अस्पताल पहुंचाया गया है।

दिल्ली हाईकोर्ट सुनील गावस्कर की याचिका पर निर्देश, सोशल मीडिया से हटानी होगी फर्जी सामग्री

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर के नाम और पहचान के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामले में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि इंटरमीडियरीज इस मामले को एक औपचारिक शिकायत के रूप में लें और विवादित कंटेंट को हटाने की प्रक्रिया शुरू करें।

मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने स्पष्ट किया कि किसी भी वादी को अदालत का रुख करने से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की आंतरिक शिकायत प्रणाली का इस्तेमाल करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि यह व्यवस्था ऐसे मामलों के समाधान के लिए बनाई गई है और इसका पूरा उपयोग किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि पहले इंटरमीडियरीज को शिकायत पर फैसला करने दीजिए। उसके बाद अगर मामला हल नहीं होता है, तो कोर्ट बेहतर तरीके से हस्तक्षेप कर सकता है।

हाई कोर्ट ने यह भी दर्ज किया कि संबंधित डिजिटल प्लेटफॉर्म कथित उल्लंघन करने वालों की

बुनियादी जानकारी और आईपी एड्रेस उपलब्ध कराने को तैयार हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने प्रतिवादी इंटरमीडियरीज को एक सप्ताह के भीतर शिकायत पर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। कोर्ट के आदेश के अनुसार, सुनील गावस्कर को 48 घंटे के भीतर कथित उल्लंघन वाले कंटेंट के सटीक इंटरनेट लिंक (यूआरएल) अपने वकील के जरिए प्लेटफॉर्म्स को सौंपने होंगे।इसके बाद इंटरमीडियरीज को सात दिन के भीतर अपनी कार्रवाई की जानकारी देनी होगी। मामले की अगली सुनवाई 22 दिसंबर तय की गई है। गौरतलब है कि सुनील गावस्कर ने अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए यह याचिका दायर की है।

कोलकाता में प्रशंसकों ने मचाया उत्पात, मैदान पर बोतलें फेंकी, बैनर और होर्डिंग भी फाड़े

» मेस्सी को न देख पाने का कारण गुस्से में आए प्रशंसक

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। फुटबॉल के दीवानों के लिए जो आयोजन जीवन में एक बार मिलने वाला शानदार नजारा बनने वाला था, वह शनिवार को अराजकता में बदल गया क्योंकि बड़ी रकम खर्च कर टिकट खरीदने के बावजूद हजारों प्रशंसक ने अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेस्सी की एक साफ झलक नहीं मिल पाने से निराशा में यहां के साल्ट लेक स्टेडियम के अंदर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।मेस्सी का विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन का बहुप्रचारित दौरा 2011 के बाद इस मैदान पर उनकी यह पहली उपस्थिति थी लेकिन यह एक अव्यवस्थित घटना बन गई। प्रशंसकों की भीड़ द्वारा सुरक्षा घेरा तोड़ने, तोड़-फोड़ और पुलिस के हस्तक्षेप से यह आयोजन फीका पड़ गया लेकिन यह पूरी तरह से अराजकता में बदल गया। विश्व कप विजेता कप्तान मेस्सी अपने लंबे समय के साथी लुइस सुआरेज और अर्जेंटीना के टीम के साथी रोड्रिगो डी पॉल के साथ सुबह करीब 11.30 बजे स्टेडियम पहुंचे।उनका वाहन मैदान के एक कोने में पार्क किया गया था। मैदान पर उनके कदम रखते ही वह आयोजकों, मशहूर हस्तियों और सुरक्षा कर्मियों की भीड़ में घिर गए, जिससे गैलरी में बैठे सामान्य दर्शक एक झलक देखने के लिए तरसते रह गए।मेस्सी ने मैदान पर थोड़ी दूर चहलकदमी की और 'मेस्सी, मेस्सी के नारों के बीच दर्शकदीर्धा की ओर हाथ हिलाया। प्रशंसकों को हालांकि जल्द ही एहसास हो गया कि यह फुटबॉल खिलाड़ी सुरक्षा और आमंत्रित मेहमानों के कड़े घेरे में हैं, जिससे वह गैलरी के बड़े हिस्सों से मुश्किल से दिखाई दे रहे थे।

हैदराबाद में मेस्सी और रेवंत रेड्डी के बीच मैत्री फुटबॉल मुकाबले में शामिल हुए राहुल गांधी

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शाम राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय (आरजीआई) क्रिकेट स्टेडियम में महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के 'जीओएटी भारत दौरा-2025 कार्यक्रम में शामिल हुए।कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस अवसर पर सिंगारेनी आरआर9 और अपर्णा-मेस्सी ऑल स्टार्स के बीच एक मैत्री मैच खेला जाएगा। दोनों टीम 15-20 मिनट का मैत्री मुकाबला खेलेंगी।फुटबॉल के शौकीन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और मेस्सी मैच शुरू होने से पांच मिनट पहले एक साथ फुटबॉल को ड्रिबल करेंगे। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी शाम साढ़े चार बजे एक विशेष विमान से हैदराबाद पहुंचेंगे और ताज फलकनुमा पैलेस होटल जाएंगे, जहां मेस्सी ठहरे हुए हैं।मैच देखने के बाद राहुल गांधी रात 10:30 बजे राष्ट्रीय राजधानी रवाना हो जाएंगे। आरजीआई क्रिकेट स्टेडियम में कार्यक्रम के मद्देनजर व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए 3,000 जवान तैनात किए गए।

चुनाव आयोग का फैसलाज. उत्तर प्रदेश समेत छह राज्यों में बढ़ी एसआईआर की समय सीमा

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को कहा कि वह उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश सहित छह राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तारीखों में संशोधन कर रहा है। चुनाव आयोग की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और अंडमान और निकोबार में मतदाता सूची की एसआईआर (स्ढ्क्र) अनुसूची में संशोधन किया गया है। संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों के बाद चुनाव निकाय ने एसआईआर के लिए एक संशोधित कार्यक्रम जारी किया।संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, तमिलनाडु और गुजरात को अब अपनी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) रिपोर्ट 19 दिसंबर, 2025 (शुक्रवार) तक जमा करनी होगी, जो पहले 14 दिसंबर, 2025 (रविवार) थी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए भी समय सीमा बढ़ा दी गई है, और नई जमा करने की तिथि 23 दिसंबर, 2025 (मंगलवार) निर्धारित की गई है, जो पहले की 18 दिसंबर, 2025 (गुरुवार) की समय सीमा का स्थान लेगी। उत्तर प्रदेश को अब अपनी एसआईआर रिपोर्ट 31 दिसंबर, 2025 (बुधवार) तक जमा करनी होगी, जो पहले 26 दिसंबर, 2025 (शुक्रवार) थी।भारत निर्वाचन आयोग 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (स्ढ्क्र) का दूसरा चरण चला रहा है। स्ढ्क्रका पहला चरण बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले सितंबर में पूरा हो गया था। यह प्रक्रिया अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल को कवर करती है।इनमें से तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होने हैं। असम में भी 2026 में चुनाव होने हैं, जहां मतदाता सूची के संशोधन की घोषणा अलग से की गई है। इसे 'विशेष संशोधन' कहा जा रहा है। अधिकांश राज्यों में मतदाता सूची का अंतिम स्ढ्क्र 2002 और 2004 के बीच हुआ था, और उन्होंने अपने-अपने राज्यों में हुए अंतिम स्ढ्क्र के अनुसार वर्तमान मतदाताओं का मानचित्रण लगभग पूरा कर लिया है। स्ढ्क्र का मुख्य उद्देश्य जन्मस्थान की जांच करके विदेशी अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना है। बांग्लादेश और म्यांमार सहित विभिन्न राज्यों में अवैध प्रवासियों पर की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर यह कदम महत्वपूर्ण हो जाता है।

'कलिंका' में तांत्रिक की भूमिका में नज़र आएगी नवोदित अदाकारा पूनम.!

बॉलीवुड के चर्चित लेखक धीरज कुमार मिश्रा की कहानी पर आधारित फिल्मोनिया प्रोडक्शन और वागीश सारस्वत फिल्म प्रोडक्शन के संयुक्त तत्वाधान में बनने जा रही सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'कलिंका' में नवोदित अदाकारा पूनम एक तांत्रिक की भूमिका में नज़र आएगी। पूनम का किरदार केवल एक तांत्रिक नहीं, बल्कि एक ऐसी दिव्य शक्ति का स्वरूप है, जिसमें खूबसूरती, तेज़, रहस्य और शक्ति–चारों का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रही हैं।

मशहूर कथक नृत्यांगना दुर्गेश्वरी सिंह, जो कथक गुरु बिरजू महाराज और उनकी सुपुत्री ममता महाराज की शिष्या हैं। नवोदित अदाकारा पूनम की स्टाइल, उनकी इंटेंसिटी और उनका ग्लैमरस प्रेज़ेंस 'कलिंका' को एक नए और ऊँचे स्तर पर ले जाने वाला है। उत्तराखंड के खूबसूरत शहरों हरिद्वार, ऋषिकेश और देहरादून इस फिल्म की शूटिंग बहुत जल्द ही शुरू होने वाली है।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

सीक्रेट मसाले डालकर 10 मिनट में तैयार करें चटपटे 'क्रिस्पी कॉर्न.

भूल जाओगे बाहर का स्वाद

» जायका बाजारों से अलग

शाम को चाय के साथ स्नैक के ऑप्शन कम हो जाते हैं, ऐसे में हम आपको लिए लेकर आए हैं 'क्रिस्पी कॉर्न' रेसिपी, जो आपका रूटीन बदल देगा। एक समय में स्ट्रीट फूड के रूप में कुरकुरा स्नैक अब कई रेस्टोरेंट्स के मेन्यू में जगह बना चुका है। वहीं इसे घर पर बनाना भी आसान है, साथ ही यह सेहत के लिए भी अच्छा होता है। साथ ही इसमें तेल भी न के बराबर ही होता है।

आजकल क्रिस्पी कॉर्न को काफी पसंद किया जा रहा है, क्योंकि यह तुरंत बनकर तैयार हो जाते हैं। 5 मिनट में उबले हुए कॉर्न को मसालों के साथ मिलाकर तला जा सकता है। इसमें नींबू, चाट मसाला, हरी मिर्च और धनिया मिलाकर तीखा-खट्टा बनाया जा सकता है। कॉर्न में फाइबर, विटामिन?क्रऔर एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शाम के स्नैक्स को हल्का बनाते हैं। ऐसे में शाम के वक्त खाने में यह फिट बैठता है।

क्रिस्पी कॉर्न बनाने के लिए क्या क्या चाहिए?

स्वीट कॉर्न (उबला हुआ) 2 कप
राइस फ्लोर आधा कप
कॉर्न फ्लोर
नींबू का रस
काली मिर्च पाउडर आधा चम्मच
कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर आधा चम्मच
भुना जीरा पाउडर आधा चम्मच
अमचूर पाउडर
बारीक कटा प्याज
बारीक कटी शिमला मिर्च
हरा धनिया (कटा हुआ)
नमक स्वादानुसार
तलने के लिए थोड़ा तेल

बनाने का सबसे आसान तरीका

1. उबालें थोड़ा नमक डालकर कॉर्न को 5-7 मिनट तक उबालें, फिर पानी निकालें।

2. मसाला मिलाएं एक बर्तन में कॉर्न फ्लोर, राइस फ्लोर, काली मिर्च, लाल मिर्च, जीरा पाउडर, अमचूर और नमक मिलाएं। उबले हुए कॉर्न को इस मिश्रण में डालकर अच्छी तरह कोट करें।

3. तलें- कड़ाही में तेल गर्म करें और कोट किए हुए कॉर्न को धीमी आंच पर सुनहरा-क्रिस्पी होने तक तलें। ज्यादा तेल हटाने के लिए कागज पर निकालें।

4. सजाए - एक बड़े बाउल में तले हुए कॉर्न, कटा प्याज, शिमला मिर्च, नींबू का रस और हरा धनिया मिलाएं। अब सर्व करें।

घर में रेस्टोरेंट जैसा स्वाद

क्रिस्पी कॉर्न को दो-तीन बार हल्का तलने से उसकी कुरकुरापन बढ़ती है, जबकि नींबू का रस ताजगी देता है। क्रिस्पी कॉर्न शाम की चाय के साथ एक बेस्ट स्नैक है, इसे तैयार करना भी काफी आसान है। घर पर इसे बनाकर आप रेस्टोरेंट जैसा स्वाद पा सकते हैं। साथ ही यह सेहत के लिए भी अच्छा है।

लिवर डैमेज करती हैं ये चीजें,.. तुरंत छोड़ दें वरना बढ़ जाएगा खतरा

आजकल फैटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। गलत खानपान, बैठे रहने की आदत और फिजिकल एक्टिविटी की कमी इसके मुख्य कारण हैं। लिवर हमारे शरीर का बहुत जरूरी अंग है, जो टॉक्सिन्स को बाहर निकालने और पाचन में मदद करता है। लेकिन अगर रोजमर्रा की डाइट में कुछ गलत चीजें शामिल हों, तो लिवर धीरे-धीरे डैमेज होने लगता है। तो चलिए जानते हैं कि कौन-सी 3 चीजें फैटी लिवर का खतरा बढ़ाती हैं।

ज्यादा तला-भुना और जंक फूड या प्रोसेस्ड फूड

समोसा, पकोड़े, फ्रेंच फ्राइज, बर्गर, पिज्जा जैसे फूड्स में ट्रांस फैट और खराब फैट होता है। ये फैट लिवर में जमा होने लगते हैं, जिससे फैटी लिवर की समस्या बढ़ती है। इसके साथ में प्रोसेस्ड फ़ूड आइटम्स भी आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसे तजा रखने के लिए कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है, जो सेहत के लिए हानिकारक साबित होता है।

क्यों है नुकसानदायक?

लिवर में फैट जमा करता है।

पाचन को कमजोर करता है।

वजन तेजी से बढ़ाता है।

क्या करना चाहिए?

तला-भुना कम करें और उबला, भुना या घर का बना खाना खाएं। इसे खाने से आप हल्का भी महसूस करेंगे।

मीठी चीजें और शुगर वाले ड्रिंक्स

ज्यादा मिठाई, केक, बिस्किट, कोल्ड ड्रिंक, पैकेज्ड जूस और एनर्जी ड्रिंक्स में रिफाइंड शुगर और फक्टोज बहुत ज्यादा होता है। यह सीधे लिवर में जाकर फैट में बदल जाता है।

क्यों है नुकसानदायक?

लिवर पर ज्यादा दबाव डालता है।

फैटी लिवर और डायबिटीज का खतरा बढ़ाता है।

इसे खाने से लिवर में सूजन भी बढ़ जाती है।

क्या करना चाहिए?

चीनी की मात्रा कम करें और फल, नारियल पानी या सादा पानी पिएं।

शराब

शराब लिवर की सबसे बड़ी दुश्मन मानी जाती है। ज्यादा या लंबे समय तक शराब पीने से अल्कोहलिक फैटी लिवर की समस्या हो सकती है।

क्यों है नुकसानदायक?

लिवर सेल्स को डैमेज करती है।

इसके सेवन से सूजन और सिरोसिस का खतरा बढ़ाती है।

लिवर की कार्यक्षमता कम कर देती है।

क्या करना चाहिए?

अगर लिवर से जुड़ी समस्या है तो शराब बिल्कुल छोड़ दें।

फैटी लिवर से बचने के लिए आसान टिप्स

रोज कम से कम 30 मिनट वॉक या एक्सरसाइज करें।

हरी सब्जियां और फल डाइट में शामिल करें।

ज्यादा पानी पिएं।

वजन कंट्रोल में रखें।

समय-समय पर हेल्थ चेकअप कराएं।

अगर समय रहते खानपान में सुधार न किया जाए, तो फैटी लिवर आगे चलकर गंभीर बीमारी बन सकता है।

तला-भुना, ज्यादा मीठा और शराब से दूरी बनाकर आप अपने लिवर को हेल्दी रख सकते हैं। आज से ही छोटी-छोटी आदतें बदलें और लिवर को डैमेज होने से बचाएं।

कानपुर में हैण्डलूम एक्सपो 2025 में उमड़ी भीड़ समुद्री सीपियों से बने फैंसी उत्पादों ने खींचा ध्यान

» बीपीएस न्यूज

» गांधी बुनकर मेला में तमिलनाडु से लेकर कुल्लू उत्तराखंड तक के अनूठे उत्पाद बने आकर्षण का केंद

कानपुर। मोतीझील लान नंबर 03 में चल रहा नेशनल हैण्डलूम एक्सपो 2025 फ्रगांधी बुनकर मेलाफ्र शहर की सर्दियों में रंग और रौनक घोल रहा है। 16 दिसंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में हथकरघा परंपरा, बुनकरों की कला और देशभर की विविध सांस्कृतिक झलक को एक ही स्थान पर सहेजे हुए है। आयोजन विकास आयुक्त हथकरघा, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार तथा आयुक्त एवं निदेशक, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।सहायक एक्सपो प्रभारी दीपक तिवारी ने बताया कि तमिलनाडु की महिला उद्यमी मुत्तू लक्ष्मी राधाकृष्णनन का स्टाल एक्सपो का सबसे बड़ा आकर्षण बन गया है। स्टाल नंबर 15 पर रखे गए समुद्री सीपियों से तैयार फैंसी उत्पाद लोगों को चकित कर रहे हैं। विशेष बात यह है कि ये उत्पाद वह एक्सपो स्थल पर ही बनाकर प्रदर्शित कर रही हैं। किफायती मूल्य और अनूठी शिल्पकला के कारण उनके स्टाल पर लगातार भीड़ उमड़ रही है।इसके साथ ही उत्तराखंड और हिमाचल कुल्लू से आए ऊनी सदरी, कोट, मफलर और टोपियाँ गुलाबी सर्दी के बीच आगंतुकों की पहली पसंद बने हुए हैं। स्टालधारकों के अनुसार शहर में ठंड बढ़ने के साथ ऊनी वस्त्रों की बिक्री में तेजी आई है और भारी संख्या में खरीदारी हुई। स्थानीय लोगों के अलावा बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक एक्सपो हर वर्ग को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। खाने पीने के स्टॉलों की रौनक भी पूरे मेले में उत्साह बढ़ा रही है।स्टालधारकों ने बताया कि आज की भीड़ उम्मीद से कहीं अधिक रही, जिससे बिक्री में उत्तरोत्तर वृद्धि दर्ज की गई। अधिकांश कारीगरों ने कहा कि कानपुर का क्राफ्ट लविंग दर्शकवर्ग उनके लिए हमेशा प्रेरक रहा है।

ट्रेन में यात्री से जहरखुरानों ने दो लाख रुपये व मोबाइल लूटा

» बीपीएस न्यूज

फर्रुखाबाद। कासगंज जनपद के थाना पटियाली क्षेत्र के गांव नगला खगू निवासी सत्यवीर (26) को जहरखुरानी गिरोह ने कासगंज-फर्रुखाबाद पैसेंजर ट्रेन में यात्रा के दौरान अपना शिकार बना लिया। शुक्रवार रात वह कायमगंज आ रही ट्रेन से उतरने के बाद स्टेशन परिसर में बेहोशी की हालत में मिले।

यात्रियों ने इसकी सूचना स्टेशन कर्मियों को दी। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे।

परिजनों के अनुसार सत्यवीर के पास से दो लाख रुपये नकद और उसका मोबाइल फोन गायब है। उसे तुरंत सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। चिकित्सक के मुताबिक युवक को किसी नशीले पदार्थ का सेवन कराए जाने की आशंका है।

बताया गया कि सत्यवीर सहाबर स्टेशन तक पूरी तरह स्वस्थ था। इसके बाद की घटना के संबंध में वह कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है। घटना की जानकारी मिलने पर जीआरपी ने जांच की है। पुलिस ने यात्रियों से सतर्क रहने और अजनबियों से किसी भी प्रकार का खाने-पीने का सामान न लेने की अपील की है। सत्यवीर के ससुर सतीश ने बताया कि गांव उलियापुर में उनकी सुसराल है, वे गल्ला आढ़ती हैं, कारोबार के सिलसिले में वे यहां आते जाते है।

एसडीएम नर्वल ने की जांच, छापेमारी में अनियमितता पाए जाने पर तीन उर्वरक केन्द्रों को किया नोटिस जारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। एसडीएम नर्वल विवेक मिश्रा ने जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को निजी उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर की गई बृहद छापेमारी में अनियमितता पाए जाने पर तीन विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अभियान में अपर जिला कृषि अधिकारी की टीम ने कई दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया और स्टॉक, बिक्री रजिस्टर तथा पी.ओ.एस. मशीन के आंकड़ों का गहन मिलान किया।

सरसौल स्थित मेसर्स परिहार खाद भण्डार में 4.65 मीट्रिक टन डी.ए.पी. तथा 12 मीट्रिक टन एन.पी.के.एस. उर्वरक का स्टॉक तो मिला, लेकिन बिक्री रजिस्टर निरीक्षण के लिए उपलब्ध नहीं कराया गया। इस पर एसडीएम ने विक्रेता को कारण बताओ नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिए।

नर्वल स्थित मेसर्स श्रीराम खाद भण्डार में 1600 बैग यूरिया का स्टॉक पाया गया। किसानों से दूरभाष पर सम्पर्क करने पर यह सामने आया कि एक बैग यूरिया के साथ जबरन सल्फर का पैकेट देकर कुल 450 रुपये वसूले गए। इस गम्भीर अनियमितता पर दुकान संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए स्पष्ट चेतावनी दी गई कि सुधार न होने की स्थिति में लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा।

मेसर्स भगवती कृषि सेवा केन्द्र में 210 बैग यूरिया भौतिक रूप से मिले, जबकि पी.ओ.एस. मशीन पर 380 बैग प्रदर्शित हो रहे थे। दुकान पर रेट/स्टॉक बोर्ड भी अद्यतन नहीं था। स्टॉक में अन्तर और बोर्ड अद्यतन न होने पर एसडीएम ने विक्रेता को नोटिस जारी कर कड़ी चेतावनी दी है कि दोहराव की स्थिति में लाइसेंस रद्द किया जाएगा।

अभियान के दौरान मेसर्स जय मां नन्दा देवी खाद भण्डार तिलसहरी बुजुर्ग में 64.58 मीट्रिक टन, कृषि रक्षा केन्द्र नर्वल में 10.98 मीट्रिक टन, रोहित खाद भण्डार पाली में 23.36 मीट्रिक टन तथा शुक्ला खाद भण्डार पूरनपुर में 12.42 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध पाया गया। अधिकारियों ने इन केन्द्रों के स्टॉक का भी मिलान कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

एसडीएम विवेक मिश्रा ने कहा कि किसानों का शोषण, उर्वरकों की कालाबाजारी और कृत्रिम संकट पैदा करने की कोशिशें किसी भी दशा में सहन नहीं की जाएँगी। अपर जिला कृषि अधिकारी को उर्वरक बिक्री केन्द्रों की दैनिक निगरानी सुनिश्चित करने तथा अनियमितता मिलने पर तत्काल कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनपद कानपुर नगर में न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्जवलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का किया गया शुभारम्भ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव, प्रशासनिक न्यायाधीश जनपद कानपुर नगर द्वारा दीप प्रज्जवलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि आज हम सब लोग राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन पर यहां एकत्र हुए है और हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कर आम जनमानस तक इसका लाभ पहुचाते हुए राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जाए।

उक्त कार्यक्रम के समय जनपद न्यायाधीश /अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर अनमोल पाल, प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय रोहित सिन्हा, पीठासीन अधिकारी कामर्शियल कोर्ट सुरेश चन्द्र- द्वितीय,पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण नार्थ व साउथ अरविन्द कुमार उपाध्याय, संजय कुमार वर्मा, पीठासीन अधिकारी लारा विजय राजे सिसोदिया एवं

अध्यक्ष कानपुर बार एसोसियेशन इन्दीवर वाजपेयी व अध्यक्ष लायर्स एसोसियेशन दिनेश कुमार वर्मा व समस्त न्यायिक अधिकारीगण व लोक अदालत के कर्मचारीगण श्री राजकुमार यादव, श्री निहाल दीक्षित, श्री पवन कुमार उपस्थित रहे।

उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन में आपराधिक शमनीय वाद, वैवाहिक वाद, सिविल वाद, मोटर ङ्क दुर्घटना वाद, राजस्व वाद, आरबीट्रेशन वादों के साथ- साथ बैंक व बीमा कम्पनी में लम्बित वादों को प्री-लिटिगेशन स्तर पर सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया।

विशेष उल्लेखनीय है कि पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (साउथ) द्वारा ज्136.. वाद, पीठासीन अधिकारीगण मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (नार्थ) द्वारा ज्88ज वाद, प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय द्वाराज्17ज्वाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कानपुर नगर द्वारा ज.35476ज्वाद, विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट, कानपुर नगर द्वाराज्2023ज वाद का निस्तारण किया गया इस प्रकार जनपद न्यायालय, कानपुर नगर के न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल ज्73,783ज्वादों का निस्तारण कर कुल ज्25,14,86,416=00 रु0 धनराशि दिलायी / वसूल की गयी, प्रीलिटीगेशन स्तर पर बैंक व टेलीकाम कम्पनी द्वारा ज.933ज्वादो का निस्तारण कर कुल धनराशि- ज.10,05,52,894=00ज रु0 वसूल की गयी।

प्रशासनिक अधिकारीगण द्वारा कुल ङ्क ज.150822ज. वादों का निस्तारण किया गया, इस प्रकार जनपद कानपुर नगर में कुल ङ्क 2,25,538 वादों का निस्तारण कर कुल 35,20,39,310=00 रु0 धनराशि दिलायी / वसूल की गयी। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत का विवरण कमलेश कुमार मौर्य द्वारा बताया गया एवं विनय सिंह, नोडल अधिकारी, लोक अदालत द्वारा धन्यवाद दिया गया।

जिलाधिकारी ने बंद आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लिया संज्ञान, लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह स्वामी विवेकानंद विद्यालय, लोधर (मंधना) में आयोजित विद्यालयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी दृष्टि आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप-केंद्र), लोधर, विकास खण्ड कल्याणपुर पर पड़ी, जो प्रातः 11 बजे बंद पाया गया।

जिलाधिकारी द्वारा स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत करने पर जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर पिछले लगभग दो माह से बंद है। ग्रामीणों ने बताया कि केंद्र पर तैनात सीएचओ (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) के पति का लगभग दो माह पूर्व निधन हो गया था, जिसके पश्चात वह ड्यूटी पर नहीं आ रही हैं और उसी समय से यह केंद्र बंद पड़ा है।इस गंभीर लापरवाही का तत्काल संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. हरिदत्त नेमी को मौके पर तत्काल पहुंचने तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर को अविलंब संचालित कराने के निर्देश दिए।विद्यालय कार्यक्रम समाप्त होने के पश्चात जिलाधिकारी पुनः आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सचेत करते हुए कहा कि फ्रइतनी महत्वपूर्ण शासन की योजना के बंद रहने की जानकारी आपको क्यों नहीं है?जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद के समस्त आयुष्मान आरोग्य केंद्रों की पिछले दो माह की उपस्थिति का सत्यापन कराते हुए आख्या प्रस्तुत की जाए।संबंधित नोडल अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों द्वारा पर्यवेक्षण में हुई शिथिलता की जिम्मेदारी तय की जाए। क्षेत्र के एमओआईसी द्वारा समय रहते निरीक्षण एवं हस्तक्षेप न किए जाने के कारणों की जांच की जाए। साथ ही जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जनपद के सभी संचालित चिकित्सालय एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर अपनी पूर्ण क्षमता के साथ नियमित रूप से संचालित रहें, ताकि आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने लापरवाह सीएचओ के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई किए जाने के निर्देश भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए।

पॉलिसी के नाम पर व्यापारी से 14 लाख ठगे ब्रांच मैनेजर समेत सात पर एफआईआर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्याणपुर के कानपुर यूनिवर्सिटी स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में पॉलिसी के नाम पर व्यापारी से 14 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने बैंक के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर, बीमा एजेंट और उनके सहयोगियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कल्याणपुर के विसायकपुर निवासी सियाराम यादव के अनुसार उन्होंने वर्ष 2019 में अपनी कृषि भूमि बेची थी। इसकी धनराशि उनके बैंक खाते में जमा की थी। आरोप है कि 12 मई 2021 को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की यूनिवर्सिटी शाखा के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर ने उन्हें अपने केबिन में बुलाकर एक बीमा एजेंट से मिलवाया। रिलायंस निप्पोन लाइफ इंश्योरेंस की पॉलिसी कराने की सलाह दी। एजेंट ने पॉलिसी को एकमुश्त बताते हुए केवल एक लाख रुपये जमा कराने की बात कही। कम पढ़ा-लिखा होने के कारण व्यापारी ने बैंक पर भरोसा कर चेक के माध्यम से एक लाख रुपये जमा कर दिए।

बाद में जब पॉलिसी के कागजात डाक से पहुंचे तो पता चला कि पॉलिसी 15 वर्षों की है। इसके बाद वर्ष 2022 और 2023 में लगातार कॉल कर किस्त न भरने पर पैसा डूबने की धमकी दी जाती रही। नवंबर 2024 में नेहा, राम कपूर, राजेश और अजय पाठक, राना और एक अज्ञात ने अलग-अलग मोबाइल नंबरों से फोन कर संपर्क किया। आरोप है कि इन लोगों ने पॉलिसी का पैसा निकलवाने के नाम पर पहले एक शुल्क जमा कराने को कहा। 21 नवंबर से 11 दिसंबर 2024 के बीचकई बार में करीब 14 लाख रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए। यह रकम बैंक ऑफ महाराष्ट्र, मुंबई समेत अन्य बैंकों के खातों में मंगाई गई।पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने खुद को इनकम टैक्स विभाग से जुड़ा बताया। जेल भेजने की धमकी भी दी। जब पीड़ित ने आरोपियों से आधार कार्ड की प्रतियां मांगीं तो उसी दिन से सभी मोबाइल नंबर बंद हो गए। बाद में जब सियाराम यादव ने सीधे रिलायंस निप्पोन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से संपर्क किया तो पता चला कि कंपनी के रिकॉर्ड में केवल वर्ष 2021 में जमा की गई एक लाख रुपये की ही एंट्री दर्ज है। इसके बाद ठगी का पता चला।

एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार ने बताया कि तत्कालीन ब्रांच मैनेजर सहित सात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। बैंक लेनदेन, खातों और कॉल डिटेल की जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सामूहिक विवाह की अव्यवस्था पर कार्रवाई

समाज कल्याण अधिकारी हटाई गईं, शिवम बने नए अधिकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में सामने आई गंभीर अव्यवस्थाओं पर आखिरकार प्रशासन ने सख्त कदम उठा लिया है। समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह को पद से हटा दिया गया है और उन्हें निदेशालय से अटैच कर दिया गया है। उनके स्थान पर शिवम सागर को नया जिला समाज कल्याण अधिकारी नियुक्त किया गया है। ए निदेशालय में सम्बद्ध थे। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब समारोह से जुड़ी जांच अब भी अधूरी है और फाइनल रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपी नहीं गई है।

गुरुवार को जिले में समाजकल्याण विभाग की तरफ से 551 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया था, जिसमें भोजन, बैठने और टेंट व्यवस्था को लेकर भारी अव्यवस्थाएं सामने आई थीं। जिलाधिकारी जितेंद्र के निर्देश पर सीडीओ ने जाँच टीम गठित की थीं। एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार की अध्यक्षता में जांच हो रही है। शुक्रवार को कमेटी ने समाज कल्याण विभाग पहुंचकर दोनों फर्मों के टेंडर और खर्च से जुड़े

अभिलेखों की गहन जांच की थीं। जांच में सामने आया कि 2.39 करोड़ रुपये का टेंडर दिए जाने के बावजूद व्यवस्थाएं पूरी तरह धराशायी रहीं। भोजन और टेंट की व्यवस्था सबसे अधिक लचर पाई गई। जहां 15 हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था का ठेका दिया गया था, वहां सिर्फ 5 हजार लोगों की ही तैयारी मिली। कुर्सियों, स्टॉल और बैठने की व्यवस्था में भी भारी कमी रही।उपहार सामग्री की जांच में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।शासनादेश के अनुसार जहां प्रत्येक जोड़े को 10 किलो लड्डू दिया जाना था, वहां सिर्फ 2 किलो का वितरण किया गया। उपहार में दी गई घड़ियों का साइज भी तय मानकों से कम पाया गया।समाज कल्याण विभाग ने ई-टेंडर प्रक्रिया के तहत नेशनल कोऑपरेटिव कंस्ट्रक्शन फेडरेशन लिमिटेड को जोड़ों के उपहार वितरण की जिम्मेदारी दी थी।जबकि नेशनल फेडरेशन ऑफ फार्मर प्रोक्योरमेंट प्रोसेसिंग एंड रिटेलिंग कोऑपरेटिव ऑफ इंडिया लिमिटेड को टेंट और भोजन व्यवस्था का कार्य सौंपा गया था।विभाग की ओर से प्रति जोड़ा 15 हजार रुपये भोजन और 25 हजार रुपये उपहार के लिए निर्धारित किए गए थे, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर नजर आई।हालांकि, टेंडर प्रक्रिया किस तरह और किन शर्तों पर खोली गई, इसकी जांच अभी बाकी है। साथ ही, जांच कमेटी की रिपोर्ट अभी तक सीडीओ दीक्षा जैन को नहीं सौंपी गई है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या आगे और जिम्मेदार अफसरों पर भी कार्रवाई होगी या मामला यहीं थम जाएगा।

फिलहाल, समाज कल्याण अधिकारी को हटाया जाना यह संकेत देता है कि सरकार और प्रशासन सामूहिक विवाह योजना में लापरवाही को लेकर गंभीर है, और आगे और भी सख्त कार्रवाई संभव है।

गलत सिरप पिलाने से मासूम की मौत के बाद प्रशासन ने दी एक लाख मदद

» बीपीएस न्यूज

औरैया। एरवाकटरा क्षेत्र में दो मासूमों को गलत सिरप पिलाने के बाद एक की मौत हो गई थी। मामले में प्रशासन ने आर्थिक मदद के रूप में शनिवार को परिजन को एक लाख की चेक सौंपी। डीएम व एसपी ने भी शुक्रवार को पीड़ित के घर जाकर मदद का भरोसा दिया था।

पिछले सप्ताह पटना बेला निवासी सचिन और उनकी पत्नी नेहा मुंडन कार्यक्रम के बाद अपने दो मासूम रोहन (करीब डेढ़ वर्ष) एवं सोहन (करीब सात माह) बच्चों के साथ एरवाकटरा के कराहना गांव स्थित रिश्तेदारी में रुके थे। बच्चों को खांसी आने पर उन्होंने घर में रखा बड़ों के इस्तेमाल करने वाला सिरप मासूमों को पिला दिया था। इसके बाद दोनों बच्चे सो गए। कुछ समय बाद दोनों बच्चे की हालत बिगड़ी और बड़े बच्चे रोहन की मौत हो गई। दूसरे बच्चे की स्थिति गंभीर होने पर पहले बिधूना अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे सैफई रेफर किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। सीएमओ डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, न्यायिक एसडीएम अमित त्रिपाठी और ड्रग इंस्पेक्टर ज्योत्सना आनंद ने सीएचसी अधीक्षक डॉ. बीपी शाक्य की मौजूदगी में सिरप बेचने वाले गुरुप्रसाद क्लीनिक को सील कर दिया था।शनिवार को सीएमओ और एसडीएम गरिमा सोनकिया ने पटना बेला स्थित सचिन के घर पहुंचकर एक लाख की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। एसडीएम ने बताया कि पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चौकी के पीछे युवती की हत्याकर शव तालाब में फेंका, नहीं हो सकी शिनाख्त

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नरवल थाना क्षेत्र में पाली चौकी के ठीक पीछे आरोपियों ने एक 30 वर्षीय युवती की हत्याकर शव तालाब में फेंक दिया। शनिवार दोपहर करीब एक बजे तालाब किनारे बकरियां चराने गए किशोर ने शव औंधे मुंह पड़ा देखा।

पुलिस और फॉरेंसिक ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार युवती के सिर, चेहरे और गाल पर चोट के निशान और नाक से खून बहता मिला है। युवती की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

शव को मोर्चरी भिजवाया गया है। नरवल इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार पाल ने बताया कि शव पर लाल कलर की हुडी और नीचे काले रंग का लोअर है। मौके पर भीड़ लगाए ग्रामीणों से पहचान कराई गई लेकिन सफलता नहीं मिली। शव की सूचना आसपास के थानों और चौकियों में दी गई है। शव की शिनाख्त के लिए प्रधान और स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है। सोशल मीडिया की मदद भी ली जा रही है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कही। पाली चौकी के ठीक पीछे युवती के शव की भनक चौकी पुलिस को नहीं लगी। ग्रामीणों के अनुसार रात को युवती की हत्या करके उसके शव फेंकने की आशंका है। ग्रामीणों ने पुलिस की सतर्कता पर सवाल उठाए हैं।

युवती के शव मिलने की खबर मिलते ही हाईस्कूल की लापता छात्रा के महाराजपुर निवासी माता-पिता मौके पर पहुंच गए। हालांकि, तब तक शव मोर्चरी भिजवाया जा चुका था। वह लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे लेकिन पहचान नहीं हो सकी। पीड़ित पिता का आरोप है कि शोहदे से परेशान होकर बेटी ने स्कूल आना जाना बंद कर दिया। इसके बाद से बेटी लापता है।

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।